RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Pray Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 फातिमा सना शेख ने...

वर्ष : 27 | अंक : 225 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 04 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के संस्थापक शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद सोमवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। उन्होंने दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में आखिरी सांस ली।

अस्पताल ने शिबू सोरेन को सोमवार सुबह 8.56 बजे मृत घोषित किया। लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हुआ। वह किडनी संबंधी समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें लगभग डेढ़ महीना पहले स्ट्रोक भी आया था और लगभग एक महीने से लाइफ सपोर्ट पर थे। गंगाराम अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ. एके भल्ला और न्यूरोलॉजी की टीम उनका इलाज कर रही थी।

गंगाराम अस्पताल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बहुत दुख के साथ यह बताना पड़ रहा है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन हो गया है। वह 19 जून से नेफ्रोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. एके भल्ला की निगरानी में सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती थे. हमारी मेडिकल टीम के अथक प्रयासों के बावजूद शिबू सोरेन को बचाया नहीं जा सका. उनका चार अगस्त को निधन हो गया। इस दौरान उनका परिवार उनके साथ था। हम इस दुख की घड़ी में उनके परिवार, प्रियजनों और झारखंड के लोगों के प्रति संवेदना जताते हैं।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़

बारिश से 24 घंटे में 11 की मौत, कई जिलों में स्कूल बंद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नदियों से सटे हुए 17 जिलों में बारिश का कहर है। रविवार को अलग-अलग जिलों में बारिश की वजह से नौ मौतें हुईं। सोमवार की सुबह सीतापुर जिले में दीवार गिरने से दो किशोरियों की मौत हो गई। 24 घंटे में प्रदेश में बारिश से 11 मौतें हो गई है। भारी बारिश को देखते हुए राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। प्रयागराज से लेकर बलिया तक बाढ़ से गंगा के किनारे बसे इलाके डूब गए हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों और राहत विभाग को जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे हैं, ताकि राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। टीम-11 में शामिल मंत्रियों ने भी बाढ़ प्रभावित जिलों का रविवार को निरीक्षण किया।

● प्रयागराज के डीएम मनीष कुमार वर्मा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए

● भदोही के जिला अस्पताल में भरा बाढ़ का पानी

वर्तमान में प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इन जिलों की 37 तहसीलें और 402 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ प्रभावित जिलों में कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाज़ीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं। इन सभी जिलों में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। वहीं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी के जवान चौबीसो घंटे पेट्रोलिंग कर रहे हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ा

दिल्ली में यमुना का जलस्तर 204.14 मीटर तक पहुंच चुका है, जो चेतावनी स्तर 204.5 मीटर के बेहद करीब है। हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण जलस्तर में निरंतर वृद्धि हो रही है। हालात को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। हालांकि फिलहाल जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे है, लेकिन सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी स्थिति पर 24 घंटे निगरानी बनाए हुए हैं।

दिल्ली में महिला सांसद की चेन स्नैचिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम जनता के साथ-साथ अब जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं हैं। सोमवार सुबह दिल्ली के चाणक्यपुरी से चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई है। हैरानी की बात है कि चेन स्नैचिंग की ये वारदात संसद भवन से कुछ ही दूरी पर एक महिला सांसद आर सुधा के साथ हुई। दरअसल, तमिलनाडु के मयीलाडूतुरै की कांग्रेस सांसद एम सुधा एक साल से तमिलनाडु भवन में रहती हैं। आज सुबह 6 बजे वह मॉर्निंग वॉक के लिए निकलीं थी। इसी दौरान सड़क पर बाइक सवार बदमाश ने उनकी सोने का चेन गले से खींची और फरार हो गए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुटी है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 10 से ज्यादा टीमें बनाई हैं। छानबीन के लिए सीसीटीवी कैमरे के अलावा डंप डेटा खंगाला जा रहा है। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से भी बात की जा रही है और घटना के समय इलाके में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

घटना के बाद कांग्रेस की लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी, सुधा को लोकसभा स्पीकर के पास लेकर गईं और मामले की शिकायत की. साथ ही आर. (शेष पृष्ठ-4 पर)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की खिंचाई

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- आपको कैसे पता चला चीन ने भारत की जमीन हड़पी

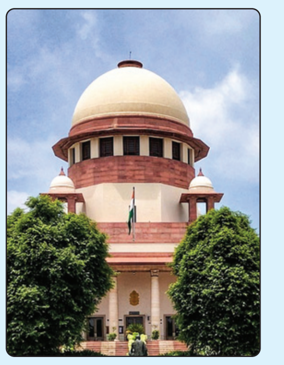

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया है? विश्वसनीय जानकारी क्या है? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसा नहीं कहेंगे। जब सीमा पार कोई विवाद चल रहा हो... तो क्या आप ये सब कह सकते हैं? आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते?'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की सुप्रीम कोर्ट ने खिंचाई की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित टिप्पणी के मामले में अपने खिलाफ मानहानि को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान सोमवार को कहा कि आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 किलोमीटर तक भारत की जमीन हड़प ली है? अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहेंगे।

अपनी 2023 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल ने दावा किया कि एक पूर्व सेना अधिकारी ने उन्हें (शेष पृष्ठ-4 पर)

मुठभेड़ में दो शातिर वाहन चोर दबोचे

चोरी का ट्रैक्टर व असलाह बरामद, एक बदमाश घायल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। पकड़े गए बदमाशों पर जनपद शाहजहांपुर, बरेली व नोएडा में कई मुकदमे कायम है।

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर-24 पुलिस बीती रात्रि एनटीपीसी के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान ट्रैक्टर पर आ रहे दो व्यक्ति पुलिस को देखकर ट्रैक्टर मोड कर भागने लगे। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम ने ट्रैक्टर का पीछा किया, जिस पर वह सेक्टर-54 के पास ट्रैक्टर को सड़क पर छोड़कर जंगल की तरफ भाग निकले। पुलिस के पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। घायल बदमाश की पहचान वीरेंद्र कश्यप उर्फ बिंदु निवासी जनपद पीलीभीत के रूप में हुई। पुलिस ने इसके दूसरे साथी जसवंत को कांबिंग के दौरान दबोच लिया। इनके पास से तमंचा कारतूस, चाकू व चोरी का ट्रैक्टर बरामद हुआ। एडीसीपी ने बताया (शेष पृष्ठ-4 पर)

विहिप के अध्यक्ष समेत चार पदाधिकारी घोषित

नोएडा (चेतना मंच)। अनिल चतुर्वेदी को विश्व हिन्दू परिषद नोएडा महानगर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इसके अलावा सुमित यादव को विभाग संयोजक नोएडा विभाग, विनोद चौहान को कोषाध्यक्ष (नोएडा महानगर) तथा जितेन्द्र को बजरंग दल-विहिप का संयोजक मनोनीत किया गया है।

कल धामपुर के नगीना स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित प्रांतीय बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी व मार्गदर्शक कोटेश्वर, दिनेश उपाध्यक्ष (शेष पृष्ठ-4 पर)

सलारपुर में अवैध निर्माणों पर चलेगा 'बाबा का बुल्डोजर'

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर खादर में अवैध निर्माण पर सघन कार्रवाई के लिए नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी तेज कर दी है।

बता दें कि सलारपुर खादर में 39 डेवलपर को अवैध निर्माण के लिए नोटिस जारी किया था। ये डेलवपर 60 से ज्यादा हाइराइज इमारतों का निर्माण कर रहे है। इनको इमारत ध्वस्त करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था। अब प्राधिकरण में इन डेवलपर के जवाब आना शुरू हो गए है। इसमें से अधिकांश के मामले हाइकोर्ट, सिविल कोर्ट, एडीएम कोर्ट में है। जिसके लिए कानूनी राय ली जा रही है।

प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि जिला प्रशासन के साथ मिलकर एक व्यापक प्लान तैयार किया जाएगा। जिसके लिए जल्द ही डीएम के साथ बैठक की जाएगी। हालांकि यहां लगाए गए अधिकांश नोटिस को डेवलपर ने खुद ही हटा दिया। साथ ही यहां चोरी छिपे निर्माण कार्य किया जा रहा है। इन सोसाइटी में करीब 5 हजार से ज्यादा फ्लैट है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

इन खसरा नंबर पर अवैध निर्माण को दिया था नोटिस

सलारपुर खादर पुलिस चौकी के पीछे प्राधिकरण की अधिसूचित व अर्जित भूमि है, जिनका खसरा संख्या 723, 724 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753 पर अवैध निर्माण है। इस भूमि पर किसी प्रकार की खरीद फरोख्त न की जाए, वित्तीय हानि हो सकती है।

व्यापारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होगा : मेधा रूपम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि उनकी सभी समस्याओं का तत्काल प्रभाव से समाधान कराया जाएगा। इसके लिए वे शीघ्र व्यापारियों के साथ बैठक भी करेंगी। उन्होंने कहा कि शासन तथा प्रशासन व्यापारियों के हित में हमेशा तत्पर रहता है। वे उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रतिनिधि द्वारा स्वागत करने के बाद संबोधित कर रही थीं। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश पदाधिकारियों ने आज सूरजपुर कलेक्ट्रेट में नव नियुक्त जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम को (शेष पृष्ठ-4 पर)

6 वर्षों बाद अब गोल्फ कोर्स के निर्माण में आएगी तेजी!

● **अर्जेंट क्लॉज के तहत ली जाएगी जमीन, प्रशासन ने शासन से मांगी अनुमति**

नोएडा (चेतना मंच)। 6 वर्षों बाद सेक्टर-151ए में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स के लिए अर्जेंसी क्लॉज के तहत जमीन ली जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने शासन से अनुमति मांगी है।

नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का काम वर्ष 2021 से चल रहा है। इससे करीब दो साल पहले इसकी योजना तैयार की गई थी। इस परियोजना के लिए छह साल बाद भी नोएडा प्राधिकरण किसानों से जमीन नहीं (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्राधिकरण के तुगलकी कदम से हजारों लोग हलकान

कुछ माह से टीएम पर लगी रोक, नहीं हो रहा है संपत्तियों का हस्तांतरण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा जनता, ईडब्ल्यूए, एलआईजी आदि भवनों के टीएम (ट्रांसफर आफ मेमोरेंडम) यानी संपत्ति हस्तांतरण पर रोक लगाने से हजारों लोग परेशान हैं। प्राधिकरण के इस तुगलकी कदम को लेकर लोग तरह-तरह के सवाल कर रहे हैं।

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि भूतल + एक मंजिला से अधिक ऊंचे बने मकान अवैध हैं। अधिकांश मकानों पर धारा-10 का नोटिस है। इसलिए ऐसे भवनों का हस्तांतरण नहीं किया जा सकता। जबकि पिछले कई वर्षों से यानी 4-5 माह पूर्व तक अवैध रूप से बने 4-5 मंजिला भवनों का हस्तांतरण आसानी से हो जाता था।

नौएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

अलबत्ता इसके लिए दलालों तथा अधिकारियों को मोटा नजराना भेंट करना पड़ता था। लोगों का कहना है कि यदि सभी मकान अवैध थे तो उनका टीएम किस आधार पर किया गया। यह नियम तो पहले भी लागू थे। ऐसे में उन अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होगी जिन्होंने एक मंजिल से ऊंचे बने मकानों के टीएम जारी कर दिए।

दरअसल नोएडा प्राधिकरण ने ऐसे फ्लैटों के हस्तांतरण पर अघोषित रोक लगा रखी है जिनमें आवंटियों द्वारा अवैध निर्माण किया गया है। ऐसे आवंटियों को उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास अधिनियम-1976 की धारा-10 का नोटिस जारी किया जाता है जो आवंटी तक पहुंचे या न पहुंचे परंतु उसकी पत्रावली में विराजमान रहता है। ऐसे आवंटी जब कभी अपने फ्लैट को बेचकर जाना चाहते हैं तो यही धारा 10 का नोटिस हस्तांतरण के आगे आकर खड़ा हो जाता है। एक कमरे के जनता फ्लैट से लेकर बड़ी से बड़ी कोठी और बंगलों में भी निर्धारित निर्माण से अधिक अवैध निर्माण किया हुआ मिलता है। कहीं भी और किसी भी प्रकार के भवन के लिए आवंटित भूमि हमेशा आवंटी की आवश्यकता से कम पड़ती है। इसीलिए हमेशा घर से बाहर रैंप बनाने, गमले सजाने, पेड़ पौधे लगाकर लॉन विकसित करने, गाड़ी खड़ी करने जैसी अतिक्रमण और अवैध निर्माण की समस्याएं सुनियोजित महानगरों की पहचान बन चुकी हैं। यदि आधा बीघा भूमि पर कोठी या बंगला बनाने वाले रईसों को उतनी भूमि रहने के लिए कम पड़ती है तो मात्र 25-50 गज के फ्लैटों में रहने वाले गरीब लोगों के लिए उनका एक दो कमरों का फ्लैट पूरा कैसे पड़ सकता है। तो क्या उनके अवैध निर्माण को वैध कर दिया जाना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर कभी भी हां नहीं हो सकता है। परंतु केवल हस्तांतरण पर रोक लगाने से इस समस्या (शेष पृष्ठ-4 पर)

सावन महीने के अंतिम सोमवार को सेक्टर-20 के मंदिर में सुबह से ही जलाभिषेक के लिए लोगो का तांता लगा रहा।

ऑपरेशन सिंदूर

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं। जो उनके अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान को ही दर्शाता है। ट्रंप को आत्म-मंथन करना चाहिए कि यदि सिलिकॉन वैली व टेक उद्योग दुनिया में वर्चस्व बनाये हुए हैं तो उसके मूल में भारतीय मेधा की तपस्या व त्याग निहित है। अमेरिका का खजाना भर रहे कई सॉफ्टवेयर तैयार करने में तमाम भारतीय इंजीनियरों का योगदान रहा है। ट्रंप को समय रहते समझ लेना चाहिए कि कथित रूप से अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा भारतीय प्रतिभाओं के योगदान के बिना सिर्फ जुमला बनकर रह जाएगा। अमेरिका के पास गोरे लोगों की वह श्रम शक्ति नहीं है जो उसे दुनिया पर राज करने का मौका दिला सके। इस बात को ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, वो अमेरिका के हित में ही होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मुनि की पूजा करके राजा ने कहा- हे मुनि! आपने मन में जो विचार रखे हों, वे नाम रखिए। (मुनि ने कहा-) हे राजन! इनके अनुपम नाम हैं, फिर भी मैं अपनी बुद्धि के अनुसार कहूँगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जो आनंद सिंधु सुखरासी। सीकर तें त्रैलोक सुपासी॥
सो सुखधाम राम अस नामा। अखिल लोक दायक बिश्रामा॥

ये जो आनंद के समुद्र और सुख की राशि हैं, जिस (आनंदसिंधु) के एक कण से तीनों लोक सुखी होते हैं, उन (आपके सबसे बड़े पुत्र) का नाम राम है, जो सुख का भवन और सम्पूर्ण लोकों को शांति देने वाला है॥

बिस्व भरन पोषन कर जोई। ताकर नाम भरत अस होई॥
जाके सुमिरन तें रिपु नासा। नाम सत्रुहन बेद प्रकासा॥

जो संसार का भरण-पोषण करते हैं, उन (आपके दूसरे पुत्र) का नाम भरत होगा, जिनके स्मरण मात्र से शत्रु का नाश होता है, उनका वेदों में प्रसिद्ध शत्रुघ्न नाम है॥

दो0-लच्छन धाम राम प्रिय सकल जगत आधार।
गुरु बसिष्ठ तेहि राखा लछिमन नाम उदार॥

जो शुभ लक्षणों के धाम, श्री रामजी के प्यारे और सारे जगत के आधार हैं, गुरु वशिष्ठजी ने उनका लक्ष्मण ऐसा श्रेष्ठ नाम रखा है॥

(क्रमशः...)

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा। ट्रंप ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है।

साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रंप ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रंप ने 31 जुलाई तक का समय दिया था। इसके बाद ट्रंप सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को %बुरा बिजनेस फैसला% बताया।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी, महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है।

अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है।

अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि

गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है।

मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। 02 अगस्त को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा।

ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं। अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं। मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2ध्र हो गई। अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, %अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।% अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के

राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।

भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है।

भारत के 11 से 13 मई 1998 में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। उस समय विशेषज्ञों की ऐसी राय थी कि भारत अलग-थलग पड़ जाएगा और इसकी अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी। इन प्रतिबंध का भारत सफलतापूर्वक सामना कर अपने को अडिग साबित करने में कामयाब रहा। सात साल बाद अमेरिका ने इसे एक असाधारण मामले के रूप में मानते हुए, भारत को मुख्य धारा में लाने के लिए पहला कदम उठाया, जिसकी परिणति 2005 में भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के रूप में हुई।

भारत परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों में नही झुका तो अब तो उसकी हालत बहुत मजबूत है। एक कुशल नेतृत्व उसके पास है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल न ले। भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने हितों से कोई समझौता नही करेगा। भारत रूस से पहले की तरह तेल लेता रहेगा। इतना ही नही भारत ने अमेरिका की आंख की किरकिरी ईरान से भी तेल खरीदने की घोषणा कर दी है। उधर अमेरिका को इस घटनाक्रम के बाद साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान नहीं खरीदेगा।

अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तय किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी। हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है। यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी। इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम, अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सॉफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सॉफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो। भारत और टैरिफ वार के शिकार देशों को डालर में खरीद-फरोख्त बंद करनी पर होगी। भारत ने रूस और कुछ अन्य देशों के साथ अपनी मुद्रा में खरीदारी शुरू कर दी है। यदि सभी देशों द्वारा डालर का विकल्प खोजकर व्यापार शुरू किया जाता है तो अमेरिका के लिए ये बड़ा झटका होगा।

- अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पर्यटन और विकास

पर्यटन एक बहुआयामी और सतत विकास की दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली उद्योग है, जो केवल एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संवाद, सामाजिक समरसता और आर्थिक प्रगति का सशक्त माध्यम बन चुका है। पर्यटन मानव जीवन के विविध पक्षों को जोड़ने वाला एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल पर्यटकों के लिए अनुभव और आनंद का जरिया है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनता है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटन उन व्यक्तियों की गतिविधियों को कहा जाता है जो अपने सामान्य वातावरण से बाहर अवकाश, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों से एक वर्ष से कम अवधि के लिए यात्रा करते हैं। यह परिभाषा पर्यटन को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसके भीतर अवकाश पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, ईको-टूरिज्म और व्यावसायिक पर्यटन जैसी विविध श्रेणियों को समाहित करती है। विश्व स्तर पर पर्यटन की स्थिति पर दृष्टि डालें तो फ्रांस 2023 तक, दुनिया का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने वाला देश रहा है। 2023 में लगभग 8.9 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फ्रांस आए। इसके बाद स्पेन, अमरीका, इटली और तुर्की जैसे देश आते हैं। ये देश अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रसिद्ध हैं। वहीं, दुनिया में कुछ स्थल ऐसे हैं जो हर वर्ष करोड़ों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

इनमें फ्रांस का एफिल टॉवर, अमरीका का टाइम्स स्क्वायर और ग्रैंड कैन्यन, इटली का कोलोसियम, चीन की ग्रेट वॉल और भारत का ताजमहल प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक स्थलों जैसे वेटिकन सिटी, काशी विश्वनाथ और बौद्ध सर्किट का महत्व भी बहुत अधिक है। पर्यटन का आर्थिक योगदान भी अलग-अलग देशों में भिन्न है। 2024 तक मालदीव, मकाऊ और सेशेल्स जैसे देशों की जीडीपी में पर्यटन का योगदान सबसे अधिक है। उदाहरण के लिए मालदीव की जीडीपी का लगभग 66 फीसदी पर्यटन से आता है, जो विश्व में सबसे अधिक है। इसके बाद मकाऊ (60 फीसदी) और सेशेल्स (40 फीसदी) जैसे छोटे द्वीप राष्ट्र आते हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्था लगभग पूर्ण रूप से पर्यटन पर निर्भर करती है। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो पर्यटन का योगदान किसी भी देश की समग्र प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक पर्यटन क्षेत्र ने 11.1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान वैश्विक जीडीपी में किया, जो कि कुल जीडीपी का लगभग 10 फीसदी है। इस क्षेत्र ने लगभग 348 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान किया, अर्थात हर दस में से एक व्यक्ति इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा है। भारत की बात करें तो आंकड़ों के अनुसार, भारतीय पर्यटन उद्योग ने 19.13 लाख करोड़ रुपए का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में किया है, जो राष्ट्रीय जीडीपी का 9.1 फीसदी है। यह क्षेत्र करीब 4.3 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। घरेलू पर्यटन के आंकड़े भी उत्साहवर्धक हैं। पर्यटन केवल खुद में एक उद्योग नहीं है, बल्कि यह परिवहन, आतिथ्य, हस्तशिल्प, मनोरंजन और सेवा क्षेत्र जैसे अन्य उद्योगों को भी गति देता है, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उत्पन्न होते हैं। भारत सरकार की 'स्वदेश दर्शन 2.0' और पीआरएएसएचएडी योजनाएं उल्लेखनीय हैं।

विशाल ठाकुर
शोधार्थी, एचपीयू

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, दशमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को गुलदस्ता देकर मुलाकात करते गौतमबुद्धनगर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राज नागर।

प्रधानमंत्री का उद्बोधन भाजपाईयों ने सुना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। देशभर में आयोजित हुए किसान समृद्धि कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण जिले के विभिन्न केंद्रों पर किसानों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से एक क्लिक के माध्यम से देश के 9.7 करोड़ किसानों को 20,500 करोड़ की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि डीबीटी प्रणाली के जरिए सीधे उनके खातों में स्थानांतरित की। जैसे ही किसानों के मोबाइल पर मैसेज आया, उनमें खुशी की लहर दौड़ गई और पूरे वातावरण में उत्साह का संचार हो गया।

राजकीय बीज भंडार, दादरी में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विमल पुंडीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों का माला पहनाकर स्वागत किया और सभी को निशुल्क बाजरे का बीज वितरित किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजीव सिंघल, जिला उपाध्यक्ष पवन रावल, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष श्यामवीर चौहान, महामंत्री संजय शर्मा, एडीओ अनिल शर्मा समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गौतमबुद्ध नगर यूनिवर्सिटी में भी इस अवसर पर विशेष आयोजन हुआ, जिसमें जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, सांसद डॉ. महेश शर्मा, एमएलसी शिक्षक श्री चंद शर्मा, कृषि विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजीव जी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

जिले के कृषि कल्याण केंद्र, जेवर, राजकीय बीज भंडार, दादरी, विकासखंड बिसरख, कृषि विज्ञान केंद्र, छोलस जिले की सभी सहकारी समितियाँ आदि स्थानों पर यह कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

छोलस में किसान मोर्चा के महामंत्री मनोज गर्ग, उपाध्यक्ष अजब सिंह प्रधान, मीडिया प्रभारी मोहित पुंडीर आदि मौजूद रहे।

जेवर में उपाध्यक्ष विकास चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य हरीश शर्मा, शैंकी ठाकुर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। बिसरख में महामंत्री धर्मेंद्र करी, जिला मंत्री गुरुदेव भाटी, मंडल अध्यक्ष मुकेश चौहान, मंत्री अतुल शर्मा, उपाध्यक्ष बबली नागर, मंडल अध्यक्ष रामवीर नागर सहित कई नेता उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है : अरशद खान

नई दिल्ली/नोएडा। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खान एवं अन्य सपाईयों की रिहाई की मांग को लेकर आज अंबेडकर विचार मंच के बैनर तले नई दिल्ली स्थित जंतर मंतर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरशद खान के नेतृत्व में धरना दिया गया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार दमनकारी नीतियों को अपनाकर लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है। इस मौके पर सपा अल्प संख्यक सभा के प्रदेश सचिव चौ. हसरुद्दीन खान ने महा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। इस अवसर पर यामिन खान, नासिर खान सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ग्राम सभा खैरपुर गुर्जर को मिला आदर्श गांव का दर्जा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ग्राम सभा खैरपुर गुर्जर को आदर्श गांव घोषित किया गया। इस अवसर पर 794.75 लाख की लागत से प्रस्तावित विकास कार्यों का शुभारंभ सांसद डॉ. महेश शर्मा एवं दादरी विधायक श्री तेजपाल सिंह नागर ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर आयोजित जनसभा में दोनों जनप्रतिनिधियों ने ग्रामवासियों को बधाई दी और कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। खैरपुर गुर्जर को आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जाना इसी दिशा में एक प्रभावशाली पहल है।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ग्रामीण भारत के बुनियादी ढांचे को सशक्त करने के लिए अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं।

विधायक तेजपाल सिंह नागर ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत गांव में सड़क निर्माण, नाली व जल निकासी व्यवस्था, सामुदायिक भवन, स्वच्छता, और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य कराए जाएंगे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कर्मठ कार्यकर्ता, और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम सभा खैरपुर गुर्जर में इस पहल के साथ एक नई विकास गाथा की शुरुआत हो चुकी है, जो आने वाले समय में गांव को एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

कांग्रेस की संगठन सृजन अभियान की समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में जारी संगठन सृजन अभियान के तहत जनपद गौतमबुद्ध नगर के संगठन सृजन अभियान की समीक्षा बैठक जिला कांग्रेस कमेटी कैंप कार्यालय ग्रेटर नोएडा, बिसरख पर संपन्न हुई।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से बीते लगभग तीन महीने से जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार गांव-गांव जाकर पुराने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने का काम कर रहे हैं, वहीं शहरी व नगर क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता लगातार संगठन सृजन अभियान को मजबूती के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक में अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि जिस प्रकार नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी वर्तमान सरकार की किसान विरोधी, नौजवान विरोधी और संविधान विरोधी रीति-नीति का विरोध संसद समेत तमाम मंचों पर कर रहे हैं, उसी प्रकार हमें भी जनपद की समस्याओं की

जड़ में मौजूद उत्तर प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों का पुरजोर विरोध करना है और हम कर भी रहे हैं। जब तक संगठन सशक्त नहीं होगा, जब तक नए लोगों का कांग्रेस पार्टी से जुड़ाव नहीं होगा, और जब तक हम अपने मिशन को बूथ स्तर तक नहीं पहुंचाएंगे, तब तक संगठन सृजन और सड़क से लेकर विधानसभा तक सरकार की जनविरोधी नीतियों का प्रभावी विरोध नहीं किया जा सकता। इसलिए ब्लॉक, मंडल और बूथ की समितियां हमें शीघ्रता से गठित कर कार्य में लगना होगा। हमारी पहली परीक्षा जनपद के कुछ क्षेत्रों में होने वाले पंचायत चुनाव होंगे।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने मंडलों के नामों की घोषणा करते हुए बताया कि ब्लॉक बिसरख में पूर्व विधायक विजयपाल मंडल, प्रधान मानसिंह मंडल, राजेश पायलट मंडल, हिंडन मंडल, दादी सत्ती मंडल समेत 13 मंडल गठित किए गए हैं। इसी प्रकार दनकौर ब्लॉक में विजय सिंह पथिक मंडल, द्रोण मंडल, राहुल गांधी मंडल समेत 9 मंडल बनाए गए हैं। दादरी ब्लॉक में राजपुताना मंडल, मिहिर भोज मंडल, विकल जी मंडल, परशुराम मंडल समेत 8 मंडल बनाए गए हैं। इसी प्रकार जेवर ब्लॉक में नानकेश्वर महादेव मंडल, यमुना मंडल, दाऊ जी मंडल आदि 8 मंडल गठित किए गए हैं। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 38 मंडल गठित हो चुके हैं, जबकि नगरीय क्षेत्रों में मंडल गठन की प्रक्रिया गतिमान है। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में प्रिंस एडवोकेट, दिनेश रावल, यश भाटी, संजय भाटी व मस्तराम भाटी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक का संचालन संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा ने किया। बैठक में दुष्यंत नागर, धर्मेंद्र भाटी, मुकेश शर्मा, नीरज लोहिया, निशा शर्मा, विजय नागर, सतपाल फौजी, पुनीत मावी, गौतम सिंह, अनित भाटी, महाराज नागर, धर्म सिंह, आर0के0 प्रथम, रमेश चंद यादव, रूबी चौहान, धर्मवीर प्रधान, कैलाश बंसल, नीतीश चौधरी, सुबोध भट्ट, सचिन शर्मा, नीरज शर्मा, सचिन जीनवाल, तनवीर अहमद, विपिन त्यागी, अरुण भाटी, अरविंद रेक्सवाल, अमित कुमार, बॉबी प्रधान, सतीश शर्मा, दीपक प्रजापति, गौरव वशिष्ठ, हरेंद्र शर्मा, इंद्रेश कुमार, योगेंद्र प्रधान, रमेश जीनवाल, धीरा सिंह, सुनील शर्मा, सतपाल राजौरिया, अजब सिंह, अंकित लोहिया, मेहरचंद, जगदीश, विजयपाल सिंह, बिजेंद्र कुमार, नरेंद्र सिंह, हरिकेश चौधरी, मोनिका जाटव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आर बी सिंह पुनः चुने गए जाट समाज ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नगरी स्थित श्री महाराजा अग्रसेन भवन में जाट समाज ग्रेटर नोएडा के नए अध्यक्ष के चयन हेतु समाज द्वारा बुलाई गई आम सभा की मीटिंग संपन्न हुई। समाज के महासचिव गजेन्द्र सिंह अत्री द्वारा कार्यकारिणी द्वारा पिछले दो वर्षों के किए गए कार्यों का ब्यौरा एवं कोषाध्यक्ष अमित राठी द्वारा पिछले दो वर्षों का लेखा जोखा समाज के समक्ष रखा गया। उसके उपरांत नए अध्यक्ष के चयन के लिए चुनाव अधिकारी के नेतृत्व में समाज द्वारा सर्वसम्मति से नए अध्यक्ष के रूप में पुनः श्री आर.बी. सिंह को चुना गया। इसकी घोषणा चुनाव अधिकारियों द्वारा समाज के समक्ष की गई।

इस अवसर पर निर्वाचित अध्यक्ष आर. बी. सिंह द्वारा समस्त जाट समाज ग्रेटर नोएडा का आभार व्यक्त किया गया एवं समाज के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों का सहयोग लेकर पूरा करने का वायदा किया गया। इस अवसर पर समाज की ओर से जगदीश पाल सिंह,सतीश गुलिया, एस. एस. रावत, हरवीर तालान, गोपाल सिंह, शिवचरण सिंह, चतर सिंह तालान,जयप्रकाश प्रधान, आर पी रघुवंशी, के के सिंह, हरप्रसाद सिंह, नरेंद्र सिंह तेवतिया, एमएन सांगवान, रणधीर सिंह, राजीव अत्री, अनिल चौधरी, रविन्द्र चौधरी, गवेन्द्र तालान, वीरेन्द्र पूनिया, जुगेन्द्र तालान, विनोद राठी, एवं अन्य उपस्थित सदस्यों का सहयोग रहा।

वैदपुरा गांव के किसानों ने रोका एनपीसीएल का काम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वैदपुरा गांव में किसानों ने वादा खिलाफी से आक्रोशित होकर एनपीसीएल बिजली कंपनी का निर्माणाधीन कार्य रोक दिया। गांव में हुई पंचायत के बाद यह निर्णय लिया गया कि निर्माण कार्य को रोका जाए।

हैप्पी पंडित ने कहा कि जल्द ही डीएम साहिबा से मिलकर अपनी बात रखी जाएगी। जब तक किसानों को उनके अधिकार नहीं मिलते, संघर्ष जारी रहेगा।

सतीश नागर ने कहा कि बहुत जल्द अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। संदीप नागर ने कहा कि युवाओं को रोज़गार और 6 प्रतिशत प्लॉट वादे के अनुसार दिए जाएं। हेम चंद नागर ने कहा कि यदि जल्द मांगे नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा। इस मौके पर सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जनवादी महिला संगठन ने चलाया अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। औरत मर्द की बराबरी, धार्मिक नफरत और जात-पात का खात्मा आदि मुद्दों पर जनवादी महिला समिति द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत सेक्टर- 8,

नोएडा कार्यालय पर जनवादी महिला समिति गौतम बुद्ध नगर की कार्यकर्ताओं की बैठक हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय नेता कामरेड साहिबा फारुकी ने कहां की आज हमारे देश में एक खतरनाक साजिश चल रही है, दलित आदिवासी अल्पसंख्यक गरीब और औरत पर हमले बढ़ते जा रहे हैं, कभी धर्मातरण के नाम पर, तो कभी बांग्लादेशी या रोहिंग्या कहकर, तो कभी झुग्गी झोपड़ी उजाड़ कर सरकार और उससे जुड़े संगठन लगातार आम जनता के जीवन पर हमला कर रहे हैं। यह सब यूं ही नहीं हो रहा इसके पीछे आरएसएस बीजेपी की मनुवादी सोच है। एक ऐसी सोच जो अमीर को देश की जमीन संसाधन और सत्ता सुख पहुंचती है और गरीब, मजदूर, दलित और अल्पसंख्यक को आपस में लड़ा कर कमजोर करना चाहती है आरएसएस और भाजपा का लक्ष्य भारत के संविधान को खत्म कर मनुवादी सोच पर आधारित हिंदू राष्ट्र बनाना है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

सेक्टर-144 आरडब्ल्यूए चुनाव हुआ सम्पन्न, संजय चौहान बने अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-144 में रविवार को आरडब्ल्यूए के चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुए। इस चुनाव में संजय चौहान की अगुवाई वाले पैनल ने बड़ी जीत दर्ज की। संजय चौहान अध्यक्ष पद पर विजयी हुए, जबकि भगत सिंह तोंगड को महासचिव चुना गया।

चुनाव परिणामों के अनुसार संजय चौहान को अध्यक्ष पद पर 130 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर सौरभ कुमार ने 129 वोट हासिल किए। महासचिव पद के लिए भगत सिंह तोंगड को 127 वोट मिले। कोषाध्यक्ष पद पर फूला सिंह को 125 वोट, संयुक्त सचिव पद पर रजनी सिंह को 129 वोट, जबकि सदस्य पद पर प्रमोद कुमार को 128, जयप्रकाश को 126 और बीना भारद्वाज को 126 वोट प्राप्त हुए।

संजय चौहान के नेतृत्व वाले पूरे पैनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी पदों पर जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम आने के बाद संजय चौहान ने सेक्टरवासियों का आभार जताते हुए कहा कि सेक्टर के निवासियों ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा।

महासचिव पद पर विजयी हुए भगत सिंह तोंगड ने भी निवासियों को धन्यवाद दिया और कहा संपूर्ण सेक्टर में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे। जो वायदे हमने किए हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

पावस महिला काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया : डॉ उषा कनक पाठक

मिर्जापुर। राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त की जयंती पर हिंदी श्री साहित्य संस्थान के तत्वावधान में अनगढ़ स्थिति एक हाल में पावस महिला काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित साहित्यकार डॉ उषा कनक पाठक रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गाजीपुर से आयी हिंदी श्री की संरक्षक नीलम देवी ने किया। संचालन कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज ने किया।

मुख्य अतिथि व अध्यक्ष ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति वंदना गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि डॉ उषा कनक पाठक ने अपने वक्तव्य में कहा कि पावस काव्य गोष्ठी में आकर प्रसन्नता हुई। कार्यक्रम उच्चकोटी का था। कजरी मिर्जापुर की पहचान है और विशेष रूप से सावन में गाई जाती है। मुख्य अतिथि ने सुनाया कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया। अध्यक्षता कर रही नीलम देवी ने कहा कि सावन माह धार्मिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। ऐसे में पावस महिला काव्य गोष्ठी के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखना सराहनीय है।

नंदिनी वर्मा ने सुनाया चला देखी आई सावन के मेला सखी। बड़ा मन करेला सखी। इला जायसवाल ने सुनाया हरे रामा रिमझिम बरसे पनिया, कि झूले राधा रनिया ए हरी। कल्पना गुप्ता ने सुनाया बहुतय दर्द होला कृष्ण कन्हैया, कलाई जिन मरोड़ा हे बनवारी।

कार्यक्रम में सुमन, सावित्री कुमारी, अमिका सिंह, दिव्या सिंह, उर्मिला, साधना पाठक, मोहिनी, तान्या कुलश्रेष्ठ, नुसरत जमाल, पूनम सिंह, पूनम, प्रीति सोनकर, चंदा देवी, साधना वर्मा ने कजरी गीत सुनाया। कार्यक्रम के अंत में सावित्री कुमारी ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

खंडेलवाल समाज ने मनाया वार्षिक उत्सव व तीज समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। खंडेलवाल समाज वेलफेयर ऐसोसिएशन, गौतम बुद्ध नगर द्वारा अपना द्वितीय वार्षिक उत्सव और तीज समारोह रंगारंग तरीके से मनाया गया। यह कार्यक्रम इुस्न्न ऑडिटोरियम सेक्टर 62 नोएडा के सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन कर गणेश वंदना से की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। महिला कार्यकारिणी टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में संरक्षक शिवलाल खंडेलवाल, किशोर रावत, संजय गुप्ता, राजेश खंडेलवाल, महेंद्र खंडेलवाल, अनिल सेठी, संतोष खंडेलवाल, रवि अमरिया, प्रहलाद बटवारा, दीपक दूसद, अजय नाटाणी, गौरव खंडेलवाल, ओम प्रकाश ठाकुरिया, अरुण चौधरी, गिरिराज वैद्य, योगेश बढ़ाया एवं पंकज गुप्ता उपस्थित रहे।

खंडेलवाल वेलफेयर एसोसिएशन गौतम बुद्ध नगर के अध्यक्ष किशोर रावत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यकारिणी के सदस्यों ने उन्हें स्वागत स्वरुप पौधे प्रदान किये।

संगठन के महिला मंडल के पदाधिकारी सांस्कृतिक मंत्री मधु खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष सुधा रावत, निम्मी खंडेलवाल , सीमा मामोडिया, आकांक्षा खंडेलवाल, रजनी अमेरिया, सुषमा खंडेलवाल, हेमलता खंडेलवाल, श्वेता बड़ाया, सविता बटवारा, ज्योति सेठी, नेहा खंडेलवाल, रानू नाटाणी ने मिलकर सांस्कृतिक प्रोग्राम और विभिन्न गेम्स करवाकर कार्यक्रम को उत्सव मय बना। कार्यक्रम में बणी - ठणी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जो इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण थी। जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मिस्टर, मिस एंड मिसेस सुपरकूल 2025 का हुआ ग्रैंड फिनाले

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-70 स्थित व्हाइट पैलेस बैंक्विट में नव दृश्या प्रोडक्शन द्वारा मिस्टर, मिस एंड मिसेस सुपरकूल 2025 का हुआ ग्रैंड फिनाले।

नव दृश्या प्रोडक्शन के निदेशक अशोक ठाकुर ने बताया कि जूरी सदस्य सुनील शर्मा, रेणुका चौधरी एवं वैष्णवी शिवहरे, विशेष अतिथियो में साक्षी, परवीन कुमार, क्रिस प्रताप सिंह, रश्मी श्रीवास्तव, कार्तिक ठाकुर और प्रिंस ठाकुर, सागा फिटनेस और हिप्नो थेरेपी सेंटर के संस्थापक और सीईओ अयुन एवं अम्प्रो हेयर केयर प्रोडक्ट के निदेशक अमित पोरवाल उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया।

अम्प्रो हेयर केयर प्रोडक्ट के निदेशक अमित पोरवाल ने इस शानदार फ़ैशन शो के लिए अशोक ठाकुर को बधाई दी।

नव दृश्या प्रोडक्शन के निदेशक अशोक ठाकुर ने बताया कि इस ब्यूटी पेजेंट में 14 मॉडलो ने भाग लिया जिसमें 6 मिस, 3 मिसेज, 3 मिस्टर, 2 किड्स है, उन्होंने बताया कि मिस सुपरकूल विजेता मेघा कश्यप, प्रथम रनर अप जिया उपाध्याय, द्वितीय रनर अप आरती, मिसेज सुपरकूल विजेता शलाखा सिंह, प्रथम रनर अप मधुलिका, सुपरकूल किड्स फैशन शो विजेता अद्विक रावल, मिस नोएडा क्वीन 2025 विजेता इंशा खान चुनी गई। मंच संचालन शुभनवी शिवहरे, फैशन कोरियोग्राफी विनीत चौबे, फैशन फोटोग्राफी कमल नजीब और विशाल, शोस्टॉपर आदित्य, शोओपनर विशाल बिधूड़ी रहे वहीं वेलनेस पार्टनर एम्प्रो हेयर केयर रहे, मेकअप आर्टिस्ट निशा, मुस्कान खंडेलवाल, हिबा और चंचल ने मॉडल्स को तैयार किया।

रणवीर अवाना बने भाकियू (अराजनीतिक) के प्रदेश उपाध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। हरौला गांव निवासी एवं किसान नेता रणवीर अवाना को भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनके इस मनोनयन से संगठन के कार्यकर्ताओं एवं किसानों में खुशी की लहर है।

हरौला गांव निवासी नवागत प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर अवाना काफी समय से किसान संगठनों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे। उनकी ईमानदारी एवं कर्मठता को देखते हुए संगठन उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजवीर सिंह ने यह मनोनयन किया है।

उनके मनोनयन पर संगठन के कार्यकर्ताओं और किसानों ने उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयाँ दी हैं। एक बातचीत के दौरान रणवीर अवाना ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, वह उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर वह मुखर होकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

रणवीर अवाना ने कहा कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजवीर सिंह ने जो विश्वास उन पर जताया है, वह उस भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरेंगे।

प्रदेश सरकार अपना निर्णय तत्काल वापस ले : सुभाष

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाष भाटी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों को बंद करने का फैसला पूरी तरह से गलत है इसको लेकर समाजवादी पार्टी आंदोलन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने स्कूलों को बंद करने का जो निर्णय लिया है उसे तत्काल वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में शिक्षा की व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। वहीं उत्तर प्रदेश की सरकार सरकारी स्कूलों को बंद कर प्राइवेट स्कूलों को बढ़ावा देने का काम कर रही है। प्रदेश सरकार अपने इस निर्णय को तत्काल वापस ले।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश की जनता का अब भाजपा से मोह भंग हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश के आम विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का मौका प्रदेश की जनता देने जा रही है।

'मेगा निशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड कैंप' का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में संचालित 'गोपाल नमो सेवा केंद्र' के माध्यम से नोएडा सेक्टर-49 स्थित नोएडा कॉन्वेंट स्कूल में एक 'मेगा निशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड कैंप' का आयोजन किया गया।

इस जनकल्याणकारी कैंप में 60 से अधिक लोगों ने सहभागिता की, जिसमें से 42 पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान भारत कार्ड और ई-श्रम कार्ड बनाकर उन्हें निःशुल्क लैमिनेटेड रूप में वितरित किए गए।

कैंप के दौरान गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने उपस्थित नागरिकों को राशन कार्ड, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, निराश्रित पेंशन सहित लगभग 20 से अधिक सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कैंप के स्थानीय संयोजक के रूप में स्कूल प्रबंधक रामकुमार चौहान, प्रधानाचार्य सचिन चौहान, उपप्रधानाचार्य पुनीत चौहान एवं अटल बिहारी वाजपेयी मंडल की महामंत्री श्रीमती दया लखेरा का विशेष सहयोग रहा।

पृष्ठ एक के शेष....

उत्तर प्रदेश के...

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 17 जिलों में कुल 84392 लोग प्रभावित हैं, जिनमें से 47906 लोगों को राहत सामग्री दी गई है। बाढ़ की वजह से 2759 मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 343 लोगों के मकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से 327 लोगों को सहायता राशि मिल चुकी है।

प्रयागराज से बलिया तक गंगा के किनारे बसे इलाके डूब रहे हैं। प्रयागराज शहर के सलोरी, राजापुर, दारागंज, बघाड़ा जैसे इलाके डूब गए हैं। प्रयागराज के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने देर रात बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का व्यवस्था की गई। वहीं मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली, बलिया में भी हालात ठीक नहीं है लेकिन सबसे ज्यादा असर प्रयागराज में देखने को मिला है।

दिल्ली में महिला सांसद...

सुधा ने खुद चेन स्नैचिंग और चोट के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है. इसमें उन्होंने कहा, 'इस हमले से मेरी गर्दन पर चोट लगी है, मेरी सोने की चेन छिन गई है और मैं इस समय सदमें में हूं।' साथ ही उन्होंने सवाल उठाया है कि अगर राष्ट्रीय राजधानी के उच्च सुरक्षा वाले इलाके में एक महिला नहीं चल सकती, तो हम और कहां सुरक्षित महसूस कर सकते हैं? तमिलनाडु के मयिलादुथुराई लोकसभा क्षेत्र से सांसद आर. सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर बताया है कि आज सुबह चाणक्यपुरी इलाके में पोलैंड दूतावास के पास हुई इस घटना में उनकी सोने की चेन छीन ली गई और उन्हें चोटें आईं।

कांग्रेस सांसद राहुल...

बताया था कि चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। उनके इस बयान को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया था और उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था।

कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं तो आप ये बातें क्यों कहेंगे? आप ये सवाल संसद में क्यों नहीं पूछते? इसके जवाब में राहुल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उन्होंने संसद में बोलने की छूट पाने के लिए चुनाव नहीं लड़ा। अनुच्छेद 19(1)(ए) राहुल गांधी को सवाल पूछने की इजाजत देता है।

सिंघवी ने राहुल की तरफ से कहा कि उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की कोई जरूरत नहीं है। मामले में संज्ञान लिए जाने से पहले उन्हें कोई प्राकृतिक न्याय नहीं दिया गया है। सिंघवी ने कहा कि वह उस भावना को समझते हैं जिसके तहत इस बेंच ने सवाल पूछे हैं. लेकिन इस बात पर आम सहमति है कि यहां कोई प्राकृतिक न्याय या सुनवाई नहीं हुई है।

व्यापारियों की समस्याओं...

गुलदस्ता भेंटकरके शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने जिला अधिकारी से केक कटवाकर उनका वेलकम किया गया। प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने आशीर्वाद स्वरुप कान्हा जी की मूर्ति उन्हें भेंट की। प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल और उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने भी ज्ञापन के माध्यम से नोएडा की समस्याओं से अवगत कराया।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में मीटिंग कर जिलाधिकारी से सभी व्यापारियों से रूबरू होने के लिए भी कहा गया। मेधा रूपम ने कहा कि बहुत जल्द हम मीटिंग कर सभी समस्याओं को सुलझा लेंगे।

मुठभेड़ में दो शातिर...

कि पकड़ा गया वीरेंद्र कश्यप उर्फ बिंदु व जसवंत सिंह नशे के आदी है। वीरेंद्र कश्यप वर्ष 2016 में चोरी के आरोप में जेल गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगा था। दोनों आरोपी नोएडा, दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में घूम फिर कर पार्किंग व सुनसान जगह पर खड़े वाहनों की रेकी करने के बाद चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। इसके अलावा यह बंद पड़े मकानो को भी निशाना बनाते थे। मौका पाकर बंद घरों के तालों को तोड़कर कीमती सामान चोरी कर रफू चक्कर हो जाते थे।

एडीसीपी ने बताया कि वीरेंद्र कश्यप उर्फ बिंदु ने जेल में रहने के दौरान अन्य अपराधियों से चोरी करने के गुर सीखे थे। जेल में वह कई वाहन चोरों के संपर्क में आया। इन शातिर वाहन चोरों ने ही उसे वाहन चोरी करने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी थी। जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद बिंदु अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए जसवंत सिंह के साथ मिलकर वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगा था।

नशे की लत को पूरा करने के लिए करते थे चोरी

एडीसीपी ने बताया कि पकड़ा गया वीरेंद्र कश्यप उर्फ बिंदु व जसवंत सिंह नशे के आदी है। वीरेंद्र कश्यप वर्ष 2016 में चोरी के आरोप में जेल गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगा था। दोनों आरोपी नोएडा, दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में घूम फिर कर पार्किंग व सुनसान जगह पर खड़े वाहनों की रेकी करने के बाद चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। इसके अलावा यह बंद पड़े मकानो को भी निशाना बनाते थे। मौका पाकर बंद घरों के तालों को तोड़कर कीमती सामान चोरी कर रफू चक्कर हो जाते थे।

जेल में रहकर सीखे थे चोरी के गुर

एडीसीपी ने बताया कि वीरेंद्र कश्यप उर्फ बिंदु ने जेल में रहने के दौरान अन्य अपराधियों से चोरी करने के गुर सीखे थे। जेल में वह कई वाहन चोरों के संपर्क में आया। इन शातिर वाहन चोरों ने ही उसे वाहन चोरी करने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी थी। जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद बिंदु अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए जसवंत सिंह के साथ मिलकर वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगा था।

विहिप के अध्यक्ष समेत...

तथा राज कुमार डूंगर प्रांतमंत्री ने उक्त पदाधिकारियों की घोषणा की। बैठक में अन्य जनपदों के पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई।

अनिल चतुर्वेदी ने बताया कि वे शीघ्र ही नोएडा महानगर की कार्यकारिणी गठित कर हाईकमान को भेज देंगे। उन्होंने कहा कि अब वे सलारपुर स्थित विश्व हिन्दु परिषद के भवन के निर्माण में जुट जाएंगे तथा सांगठनिक क्रियाकलापों को जोरदार तरीके से चलाया जाएगा।

प्राधिकरण के तुगलकी...

से कैसे निपटा जा सकता है। नोएडा शहर में चारों ओर ऐसे चार छः मंजिले प्राधिकरण निर्मित असंख्य फ्लैट हैं जिनका वास्तविक स्वरूप पहचाना ही नहीं जा सकता है। वहां कोई भी आपदा आने पर राहत पहुंचाना मुश्किल होगा। यह तब भी बदस्तूर है जबकि ऐसे फ्लैटों को हस्तांतरित नहीं किया जा रहा है। केवल खरीद फरोख्त पर रोक लगाने से समस्या का समाधान तो संभव है नहीं।या तो प्राधिकरण ऐसे फ्लैटों में अवैध निर्माण ध्वस्त करने का अभियान चलाकर उन्हें मूल स्वरूप में वापस लाए अन्यथा ऐसे फ्लैटों को आंख मूंदकर हस्तांतरित करता रहे। इससे सरकार और प्राधिकरण को राजस्व तो मिलता रहेगा जिससे आपदा के समय राहत का प्रबंध होता है।

6 वर्षों बाद अब गोल्फ...

ले सका है। कामबक्शपुर गांव की करीब 2.22 हेक्टेयर जमीन ली जानी है। अधिकारियों ने बताया कि अर्जेंसी क्लॉज के तहत सरकार जमीन ले सकती है। यह धारा 1894 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 17 के तहत दी गई एक विशेष शक्ति है, जो सरकार को सार्वजनिक हित में तत्काल भूमि अधिग्रहण करने की अनुमति देती है। सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए उचित कारण और सार्वजनिक हित साबित करना होगा।

सलारपुर में अवैध...

जिनकी बुकिंग तक हो चुकी है। यहां दो से लेकर थ्री बीएचके तक के फ्लैट है। अन्य सोसाइटी से सस्ते होने के चलते लोग इनके लुभावने विज्ञापनों में फंस गए।

जिन स्थानों पर इन इमारतों का निर्माण किया जा रहा है वहां नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड लगे है। जिसमें साफ लिखा है कि यह जमीन प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है। इस पर निर्माण करना अवैध माना जाएगा। फिलहाल अधिकांश मामले अदालत में होने से अब इन पर विधि विभाग से सहाल मशवरा किया जा रहा है।

सड़क पार करते समय हादसा, युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में सड़क पार करते समय एक युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

यूसुफपुर चक शाबेरी में रहने वाला बबलू कुमार 31 जुलाई की रात्रि को घर से बाहर किसी काम से गया था। खजूर कट के पास सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बबलू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बबलू कुमार की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया गया। बीती रात्रि उपचार के दौरान बबलू कुमार ने दम तोड़ दिया। इस संबंध में मृतक के मामा जोवल दास ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चला कर दुर्घटना कर मृत्यु करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जोमैटो के वेयरहाउस में लाखों के सामान की चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के नॉलेज पार्क में जोमैटो के वेयरहाउस से चोरों ने लाखों रुपए मूल्य के 3682 क्रेट्स व कोल्ड आइस बॉक्स चोरी कर लिए। हैरानी की बात यह है कि वेयरहाउस में 24 घंटे सिक्योरिटी गार्ड तैनात रहते हैं। इसके बावजूद भी इतनी बड़ी मात्रा में सामान चोरी हो गया। जोमैटो के डीजीएम ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जोमैटो कंपनी के डीएम दीपक नायक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में ग्रेटर नोएडा वेस्ट एरिया में तैनात हैं। उनकी कंपनी का नॉलेज पार्क में प्लॉट नंबर 24 व 25 में वेयरहाउस बना हुआ है। इस वेयरहाउस में सामान लाने ले जाने वाली खाली क्रेट्स व कोल्ड आइस बॉक्स रखी जाती है। जोमैटो वेयरहाउस की एसएलपी टीम के इंचार्ज अमन मिश्रा ने उन्हें बताया कि रिकॉर्ड चेकिंग के दौरान पता चला कि 1 मई से 18 मई के बीच जोमैटो का सामान ले जाने वाली क्रेट्स व कोल्ड आइस बॉक्स गायब है। वेयरहाउस का रिकॉर्ड चेक करने पर पता चला कि 3482 छोटी क्रेट्स, 81 बड़ी क्रेट्स, तथा 119 कोल्ड आइस बॉक्स गायब है। वेयरहाउस से गायब हुए सामान की अनुमानित कीमत करीब 1053230 है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी की तरफ से 27 सिक्योरिटी गार्ड्स भी वेयरहाउस में तैनात रहते हैं । पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इनवर्टर की दुकान में लगाई सेंध

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के चोटपुर में चोरों ने एक दुकान से तीन इनवर्टर व 12 बैटरी चोरी कर ली। चोर इनवर्टर व बैटरी को अपने साथ लाए वाहन में भरकर ले गए। बहलोलपुर में रहने वाले रितेश प्रताप ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह मूल रूप से कानपुर देहात का रहने वाला है और अपने परिवार सहित बहलोलपुर गांव में रह रहा है। चोटपुर गिट्टी प्लांट के पास उसकी इनवर्टर बैटरी की दुकान है। 3 जुलाई की रात्रि को वह अपनी दुकान बंद कर घर चला गया। देर रात्रि चोरों ने उसकी दुकान का ताला तोड़कर तीन इनवर्टर व 12 बैटरी चोरी कर ली। चोरी की यह पूरी घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। चोर अपने साथ वाहन लेकर आए थे। इसी वाहन में वह दुकान से चोरी किए गए सामान को भरकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को चोरों के वाहन का नंबर उपलब्ध कराया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। वाहन नंबर के आधार पर चोरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

खास खबर

चीन में जापानी महिला पर हमला, टोक्यो में दो चीनी नागरिक घायल

सूझोउ, एजेंसी। चीन के सूझोउ शहर में गुरुवार देर रात एक जापानी महिला पर एक व्यक्ति ने पत्थर जैसी वस्तु से हमला कर दिया। महिला को हल्की चोटें आईं, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जापानी मीडिया के मुताबिक, घटना सबवे स्टेशन में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी दिन जापान की राजधानी टोक्यो में दो चीनी नागरिकों पर भी हमला हुआ, जिनमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। चार हमलावर मौके से फरार हो गए और अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। इस घटना के बाद दोनों देशों में विदेशियों के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई जा रही है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन में जापानी नागरिकों पर हमला हुआ है। सितंबर 2023 में चीन के शेन्जेन में एक 10 साल के जापानी बच्चे की हत्या कर दी गई थी। जून 2024 में सूझोउ में ही एक जापानी महिला और उसके बच्चे पर हमला हुआ था, जिसमें उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले एक चीनी बस अटेंडेंट की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में पोलियो का नया मामला, कुल संख्या 18 हुई; बच्चों को खतरा बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो वायरस का एक नया मामला सामने आया है, जिससे इस साल देश में कुल मामलों की संख्या 18 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के पोलियो उन्मूलन क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने शुक्रवार को इस नए मामले की पुष्टि की। यह मामला टैंक ज़िले की मोलाजई यूनियन काउंसिल में 10 महीने के एक बच्चे में पाया गया है। अकेले खैबर पख्तूनख्वा में अब तक 11 पोलियो के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, सिंध में 5, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान में एक-एक मामला दर्ज हुआ है। एनआईएच के अनुसार, वायरस की लगातार मौजूदगी यह दर्शाती है कि पोलियो के खतरे पर पूरी तरह काबू नहीं पाया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां टीकाकरण को लेकर झिझक बरकरार है।21 से 27 जुलाई तक अफगान सीमा से लगे इलाकों और बलूचिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया था, ताकि अफगानिस्तान के साथ समन्वित प्रयास किए जा सकें।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाही से छेड़छाड़ और रिश्वत मामले में 12 साल की नजरबंदी की सजा

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में 12 साल की नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) की सजा सुनाई गई है। यह फैसला शुक्रवार को आया और इसे देश के इतिहास का एक अहम कानूनी मुकदमा माना जा रहा है, जिसने इस दक्षिण अमेरिकी नेता की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। उरीबे को सोमवार को दोषी ठहराया गया था और उन्हें 12 साल तक जेल की सजा हो सकती थी, लेकिन अदालत ने उन्हें घर में नजरबंद रखने का आदेश दिया। यह मामला 1990 के दशक में अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) समूहों से कथित संबंधों को लेकर शुरू हुआ, जहां आरोप है कि उरीबे ने उन गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की जो उनके खिलाफ बयान दे रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया है और इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश कहा है। उन्होंने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है। सजा सुनाए जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि संकट के समय हमें समस्या से ज्यादा उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उरीबे ने 2002 से 2010 तक अमेरिका के मजबूत समर्थन के साथ कोलंबिया पर शासन किया। वे आज भी देश में एक विवादित व्यक्तित्व हैं—कुछ लोग उन्हें देश को अराजकता से बचाने वाला मानते हैं, तो कुछ उन्हें मानवाधिकार हनन और अर्धसैनिक हिंसा से जोड़ते हैं।

अल-सल्वाडोर में राष्ट्रपति कार्यकाल 6 साल तक बढ़ा

सान साल्वाडोर, एजेंसी। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की पार्टी ने देश की संसद में सांविधानिक बदलावों को मंजूरी दे दी है। इनके तहत राष्ट्रपति पद के लिए बेमुद्दत पुनर्निर्वाचन व पद कार्यकाल छह साल तक बढ़ जाएगा। न्यू आइडियाज पार्टी की सांसद एना फिगेरोआ ने संविधान के 5 अनुच्छेदों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। मतदान 57 मतों के पक्ष में और तीन मतों के विरोध में पारित हुआ।

पाकिस्तान में 40 डाकुओं का चौकी पर हमला, 5 मौतें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पुलिस चौकी पर भारी हथियारों से लैस दर्जनों डाकुओं के हमले में विशिष्ट बल के पांच पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने कहा, रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड से लैस लगभग 40 डाकुओं ने बृहस्पतिवार की रात रहीम यार खान स्थित शेखानी पुलिस चौकी पर हमला किया। पंजाब पुलिस विशिष्ट बल के मारे गए 5 पुलिस अधिकारियों में तीन बहावलनगर के व दो अन्य रहीम यार खान के थे। जवाबी गोलीबारी में एक डाकू भी मारा गया।

यहूदियों को सता रहा दुनिया के बायकॉट का डर, सर्वे में इजरायली बोले- विदेश नहीं जा पाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल में हाल ही में हुए एक सर्वे ने देश के नागरिकों के बीच बढ़ती चिंता को उजागर किया है। इजरायल के चैनल 12 द्वारा प्रकाशित इस सर्वे के अनुसार, 56प्रतिशत इजरायली नागरिकों को डर है कि गाजा युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नकारात्मक प्रतिक्रिया और आलोचना के चलते वे विदेश यात्रा करने में असमर्थ हो सकते हैं। यह सर्वेक्षण इजरायल-हमास युद्ध और क्षेत्रीय तनावों के बीच वैश्विक स्तर पर इजरायल की छवि पर पड़ रहे असर को दर्शाता है।

सर्वे में क्या है खास : 56प्रतिशत इजरायलियों की चिंताः सर्वे में शामिल 56त्न लोगों ने कहा कि वे वैश्विक आलोचना के कारण विदेश यात्रा करने से डर रहे हैं। उन्हें लगता है कि कई देशों में इजरायल के प्रति बढ़ता विरोध उनकी यात्रा योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। 40प्रतिशतदूसरी ओर, 40प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई चिंता नहीं है और वे अंतरराष्ट्रीय आलोचना को अपनी यात्रा योजनाओं पर हावी नहीं होने देंगे।

बायकॉट का डरः इजरायल के खिलाफ कुछ देशों और संगठनों द्वारा शुरू किए गए बायकॉट, डिवेस्टमेंट, और सैंक्शन्स आंदोलन ने भी इस डर को बढ़ावा दिया है। कई इजरायलियों को लगता है कि यह आंदोलन उनकी वैश्विक यात्राओं को सीमित कर सकता है।

क्या है पूरा मामला : गाजा में चल रहे युद्ध और इजरायल के सैन्य अभियानों ने वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में तत्काल युद्धविराम के पक्ष में कई देशों ने मतदान किया, जबकि भारत जैसे कुछ देशों ने वोटिंग से दूरी बनाए रखी। इसके अलावा, ईरान और सीरिया पर इजरायली हमलों की निंदा भी कई देशों ने की है। इन घटनाओं ने इजरायल की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया है, जिसका असर आम इजरायलियों की मानसिकता पर भी पड़ रहा है। कुछ इजरायलियों को डर है कि वैश्विक आलोचना के कारण कुछ देश उनके नागरिकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा कर सकते हैं या उन्हें प्रवेश से मना कर सकते हैं। ब्र्रष्ठस् आंदोलन के तहत इजरायली उत्पादों और सेवाओं के बहिष्कार ने भी चिंता बढ़ाई है। कुछ इजरायलियों को लगता है कि यह उनकी अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है। सर्वे से पता चलता है कि इजरायली नागरिक न केवल भौतिक प्रतिबंधों से डर रहे हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान और स्वीकार्यता को लेकर भी चिंतित हैं। तेल अवीव में जंग रोकने के लिए प्रदर्शन गुरुवार रात को तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर में लगभग 1,000 लोग जमा हुए और गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने की मांग की। इजरायली-फलस्तीन शांति समर्थकों और मानवाधिकार संगठनों की एक संयुक्त पहल द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैनिकों से गाजा में सेवा करने से इंकार करने का आह्वान किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की वेस्ट बैंक में कार्रवाइयों और हाल ही में एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता की हत्या के लिए जिम्मेदार शख्स की रिहाई की भी निंदा की। प्रदर्शन में शामिल एक अभिनेता, योसी जबारी ने इजरायल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया और कहा, यह शब्द हमें उस कृत्य से ज्यादा डराता है। दो पूर्व वायुसेना पायलटों, मेजर (रिजर्व) हगई तामिर और लेफ्टिनेंट कर्नल (रिजर्व) डेविड यिसरायली ने वर्तमान पायलटों से अपील की कि वे युद्ध अपराधों में शामिल होने से इनकार करें। उन्होंने कहा, युद्ध अपराध करने से मना करें। अपने कर्मों के नतीजों को नजरअंदाज न करें। यह प्रदर्शन इजरायल में बढ़ते असंतोष को दर्शाता है, जहां कई लोग सरकार की नीतियों और युद्ध को लंबा खींचने के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट के लिए इजरायल की नाकेबंदी को जिम्मेदार ठहराया।

एक्स पर बच्चों के शोषण की वीडियो को लेकर फंसे मस्क, अदालत ने कहा- कानून का सामना करना पड़ेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बाल शोषण के मामले में एलन मस्क की कंपनी एक्स के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है। इससे मस्क की परेशानी बढ़ सकती है। हालांकि अदालत ने माना कि एक्स इस मामले में व्यापक छूट की हकदार है लेकिन अदालत ने ये भी कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बच्चों की आपत्तिजनक वीडियो को हटाने में लापरवाही बरती।

मस्क के एक्स खरीदने से पहले का मामला : सैन फ्रांसिस्को स्थित 9वीं अमेरिकी सर्किट अपीलीय अदालत ने कहा कि एक्स जो पहले ट्विटर था, पर यह आरोप है कि उसने दो नाबालिग लड़कों की अश्लील तस्वीरों वाले वीडियो की तुरंत नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रनको रिपोर्ट नहीं दी और इस मामले में लापरवाही बरती। यह मामला एलन मस्क द्वारा 2022 में ट्विटर की खरीदने से पहले का है। एक ट्रायल जज ने दिसंबर 2023 में इस मामले को खारिज कर दिया था। हालांकि अब अपीलीय अदालत ने मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला : एक वादी ने बताया कि वह जब 13 साल का था, तब उसे और उसके एक दोस्त को स्नैपचैट पर बहकाया गया और उन्होंने अपनी नग्न तस्वीरें किसी ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध कराई जो बाल यौन शोषण का तस्कर था। दोनों ने उस तस्कर को सोशल मीडिया पर अपने स्कूल की 16 साल की लड़की समझा था। आरोपी ने नाबालिगों की नग्न तस्वीरों के आधार पर दोनों को ब्लैकमेल किया और दोनों पीड़ितों से और तस्वीरें मांगी। बाद में आरोपी ने उन तस्वीरों के संकलन को एक वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, एक्स ने सामग्री के बारे में जानने के बावजूद उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाने में नौ दिन का समय ले लिया और इस दौरान 1,67,000 बार से ज्यादा इन वीडियो को देखा गया। सर्किट जज डेनिएल फॉरेस्ट ने कहा कि संघीय संचार शालीनता अधिनियम की धारा 230, जो ऑनलाइन प्लेटफार्म को उपयोगकर्ता सामग्री के संबंध में उत्तरदायित्व से बचाती है।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर देंगी इस्तीफा, ट्रंप को मिलेगा नया नियुक्ति का मौका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह आठ अगस्त को अपने पद से इस्तीफा देंगी। इस फैसले से फेड की ताकतवर बोर्ड में एक सीट खाली होगी, जिसे अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भर सकेंगे। कुगलर को सितंबर 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। वह फेड की पहली हिस्पैनिक महिला गवर्नर थीं।

इस्तीफे के पीछे उन्होंने कोई कारण नहीं बताया, लेकिन उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा कि उन्होंने इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और डेटा-आधारित दृष्टिकोण के साथ निभाया। बता दें कि कुगलर ने अपनी आखिरी सार्वजनिक टिप्पणी में फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उस रुख का समर्थन किया था कि मौजूदा ब्याज दरें फिलहाल स्थिर रखी जाएं, ताकि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों का असर समझा जा सके। बीते कई दिनों से फेड के प्रमुख जेरोम पॉवेल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव की कई सारी खबरें सामने आती रही है। हाल ही की बात करें तो ट्रंप ने शुक्रवार को ही पॉवेल को जिद्दी मूर्ख बताते हुए ब्याज दरों में तुरंत कटौती की मांग की। उन्होंने फेड पर बार-बार दबाव बनाया है कि वह उनकी नीतियों के अनुसार काम करे।

पुतिन ने खारिज की जेलेंस्की की रूस में सत्ता परिवर्तन की अपील, कहा- उनकी कुर्सी खतरे में

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग थम नहीं रही है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मॉस्को में सत्ता परिवर्तन की अपील को खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की की खुद की कुर्सी खतरे में है। उनके पास सांविधानिक वैधता का अभाव है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समर्थक रूसी सरकार को हटाने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा संघर्ष में युद्धविराम होने पर भी मॉस्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करेगा।

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ लेक लाडोगा क्षेत्र में वालम मठ का दौरा किया। इस दौरान जेलेंस्की की अपील पर पलटवार करते हुए हुए पुतिन ने कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था रूसी संघ के संविधान पर आधारित है और हमारी सरकार मूल कानून के पूर्ण अनुपालन में बनी है। हालांकि यूक्रेन के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

पिछले साल खत्म हो चुका है जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 में निर्वाचित यूक्रेनी राष्टपति जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो चुका है। इसके बाद भी वे पद पर बने हुए हैं। युद्ध के दौरान चुनावों को स्थगित करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ प्रावधान का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि यूक्रेनी संविधान के अनुसार अगर कोई

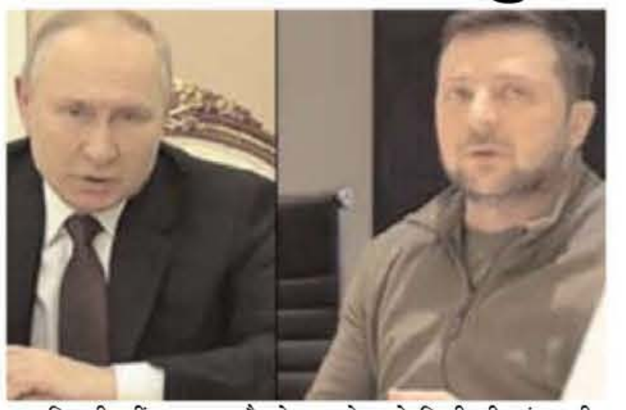

उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता है, तो राष्ट्रपति की शक्ति संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित की जानी चाहिए। हालांकि यह यूक्रेन का आंतरिक मामला बताया है, लेकिन रूस के साथ संभावित शांति समझौते सहित उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की कानूनी वैधता नहीं है। रूसी अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि ऐसे समझौतों को बाद में संवैधानिक आधार पर चुनौती दी जा सकती है। वहीं हाल के सर्वे से पता चला है कि जेलेंस्की प्रतिस्पर्धी चुनाव में हार सकते हैं और सेवानिवृत्त जनरल वालेरी जालुज्नी एक प्रमुख विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कही थी ये बात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मास्को में शासन परिवर्तन का समर्थन करने का आह्वान किया था। हेलसिंकी समझौते की 50वीं वर्षगांठ पर जेलेंस्की ने कहा था कि मेरा मानना है कि रूस पर इस युद्ध को रोकने के लिए दबाव डाला जा सकता है, लेकिन अगर दुनिया रूस में सत्ता परिवर्तन का इरादा नहीं रखती है, तो इसका मतलब है कि युद्ध समाप्त होने के बाद भी मास्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करता रहेगा। उन्होंने रूस पर कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगाने पर भी जोर दिया।

अमेरिका में बेरोजगारी का आंकड़ा ज्यादा बताया तो डोनाल्ड ट्रंप ने अफसर को ही हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (बीएलएस) की आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर को बर्खास्त करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई जुलाई महीने की रोजगार रिपोर्ट आने के बाद की गई। इस रिपोर्ट में नौकरियों में वृद्धि धीमी होने और मई-जून के आंकड़ों में भारी कमी की जानकारी सामने आई। ट्रंप ने बिना सबूत के दावा किया कि ये आंकड़े राजनीतिक कारणों से हेरफेर किए गए थे।

शुक्रवार को जारी बीएलएस की मासिक रोजगार रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई में केवल 73,000 नई नौकरियां पैदा हुईं, जो कि बाजार की अपेक्षाओं से काफी कम थी। इसके अलावा, मई में नौकरियों की संख्या को पहले के 125,000 से संशोधित कर 19,000 और जून में 147,000 से 14,000 कर दिया गया। इस संशोधन के बाद मई और जून में कुल 258,000 कम नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। बेरोजगारी दर भी 4.1त्न से बढ़कर 4.2त्न हो गई, हालांकि यह अभी भी अपेक्षाकृत कम

मानी जाती है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए मैकएंटार्फर पर आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी टीम को इस बाइडन द्वारा नियुक्त राजनीतिक व्यक्ति को तत्काल बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उनकी जगह अधिक सक्षम और योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया, आज के रोजगार आंकड़े रिपब्लिकन और मुझे खराब दिखाने के लिए हेरफेर किए गए थे। मैकएंटार्फर को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2023 में नामित किया था, और वे जनवरी 2024 से बीएलएस की आयुक्त थीं। सीनेट ने 86-8 के मत से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी, जिसमें मौजूदा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी उनके पक्ष में वोट दिया था। बीएलएस में आयुक्त ही एकमात्र राजनीतिक नियुक्ति होती है, जबकि बाकी सैकड़ों कर्मचारी कैरियर सिविल सेवक होते हैं। आयुक्त का कार्यकाल आमतौर पर चार साल का होता है, लेकिन राजनीतिक नियुक्ति होने के कारण उन्हें हटाया जा सकता है।

ट्रंप के इस कदम की अर्थशास्त्रियों और पूर्व अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। बीएलएस के समर्थन में बने एक समूह, फ्रेंड्स ऑफ बीएलएस ने बयान जारी कर कहा, मैकएंटार्फर को हटाने का यह तर्क निराधार है और यह केंद्रीय आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता को कमजोर करता है, जो व्यवसायों, परिवारों और नीति निर्माताओं के लिए बुद्धिमान आर्थिक निर्णयों का आधार हैं।

रूस के पास 2 एटमी पनडुब्बियां तैनात करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिए। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी। ट्रम्प ने अपने इस कदम के पीछे रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी को जिम्मेदार बताया। साथ ही ट्रम्प ने मेदवेदेव के परमाणु हमले की धमकी पर कहा कि- अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, मेदवेदेव ने एक्स पर कहा था- हम इजराइल या ईरान नहीं हैं। ट्रम्प की ओर से दिया गया हर नया अल्टीमेटम युद्ध की धमकी माना जाएगा। उन्होंने ट्रम्प को याद दिलाते हुए कहा था- रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले डेड हैंड की क्षमता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी की वजह से मैंने रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि भड़काऊ बयान सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। शब्द बहुत कीमती होते हैं और कई बार अनजाने में गंभीर परिणाम भुगतने

पड़ सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा मामला नहीं होगा। ट्रम्प ने बताया डेड इकोनॉमी तो रूस ने डेड हैंड की याद दिलाई ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने के बाद भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके जवाब में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति घबरा गए हैं। मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर लिखा था- ट्रम्प को डेड हैंड की खतरनाक ताकत याद रखनी चाहिए, भले ही यह अब मौजूद नहीं है। अगर रूस के पूर्व राष्ट्रपति के कुछ शब्दों से अमेरिका के शक्तिशाली राष्ट्रपति इतना घबरा जाते हैं तो रूस का रास्ता बिल्कुल सही है। हम अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे।

एनसीपी नेता का अंतरिम सरकार पर हमला, कहा- कानून व्यवस्था कायम नहीं कर सके मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई राजनीतिक पार्टी ने अंतरिम सरकार पर हमला बोला है। नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस की सरकार पिछले एक साल में कानून व्यवस्था कायम करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल को लेकर भी बात की। साथ ही भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए कहा।

नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार की एक नाकामी यह है कि वे कानून प्रवर्तन ढांचे को फिर से स्थापित करने के लिए कानूनी बल को नियंत्रित या स्थापित नहीं कर पाए। जुलाई के विद्रोह के दौरान पुलिस, विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ही आम लोगों पर, छात्रों पर, हत्याओं को लेकर सामूहिक नरसंहार में हिस्सा लिया था। इसलिए अंतरिम सरकार की प्राथमिकता पुलिस, आरएबी, डीबी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी बलों को फिर से स्थापित करना होना चाहिए। वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं कह सकती हूं कि यह इस सरकार की दुर्भाग्यपूर्ण नाकामियों में से एक है। इस भीड़तंत्र में आपने जो भी कहा वही हुआ। एक ही मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। ये मुकदमे फर्जी हैं। फर्जी मुकदमे और फर्जी आरोप। इसलिए ये सही बात नहीं है।

उन्होंने कहा कि जुलाई विद्रोह को एक साल हो गया है। हमें निरंकुश फासीवादी शेख हसीना से छुटकारा मिल गया है। लगभग 15 साल तक निरंकुशता कायम रही। इसलिए सारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां, नौकरशाही, पूरा प्रशासन फासीवादी शासन के अधीन था। हम

रातोंरात निरंकुशता से लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन एक साल बाद हम हर चीज पर बात कर सकते हैं। हम अपनी अंतरिम सरकार से उनके द्वारा उठाए जा रहे कदमों और लोकतांत्रिक परिवर्तन के पक्ष में जिन सुधारों पर हम चर्चा कर रहे हैं, उनके बारे में पूछ सकते हैं। हर कोई बातचीत, संवाद और सेमिनारों में भाग ले रहा है। हर कोई देश के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल हमने कोई बातचीत नहीं की। सरकार के खिलाफ बात करने का कोई मौका नहीं मिला। हमारी आवाज दबाने के लिए एक कानून था। जबरन गायबियां, न्यायेतर हत्याएं और सभी निजी बैंकों की लूट हुई। निरंकुशता का साम्राज्य था। लेकिन पिछले साल यह रुक गया और हमने फिर से शुरू कर दिया है। लोकतंत्र में तब्दील होने की प्रक्रिया धीमी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह वैसी नहीं है जैसी हमने एक साल पहले उम्मीद की थी। लेकिन यह हो रहा है। प्रगति हो रही है। चुनाव को लेकर कही ये बात नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि हमें उम्मीद है क्योंकि चुनाव की तारीख अंतरिम सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में ही घोषित कर दी गई थी। दिसंबर से जुलाई 2026 तक का समय है। इसलिए यह संभवतः फरवरी या अप्रैल में होगा। अंतरिम सरकार के प्रेस सचिव, हमारे मुख्य सलाहकार, ने कल कहा कि चुनाव एक दिन के लिए भी स्थगित नहीं होंगे। राष्ट्रीय सहमति आयोग में सभी राजनीतिक दलों ने बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी सुधार प्रस्तावों पर चर्चा की, बातचीत की और वे एक आम सहमति पर पहुंचे। हमें जुलाई चार्टर मिलने की उम्मीद है। जुलाई के बाद हमें राष्ट्रीय चुनाव की तारीख तय होने की उम्मीद है। हम मूलभूत सुधार चाहते हैं। सांविधानिक संस्था जो कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो। कार्यपालिका, न्यायपालिका और संसद ये तीनों स्तंभ स्वतंत्र होने चाहिए।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अत- उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है।

वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योंकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

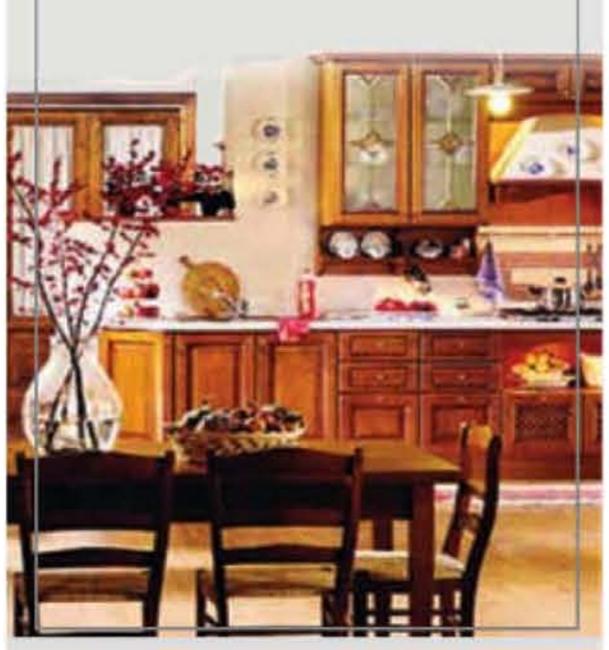

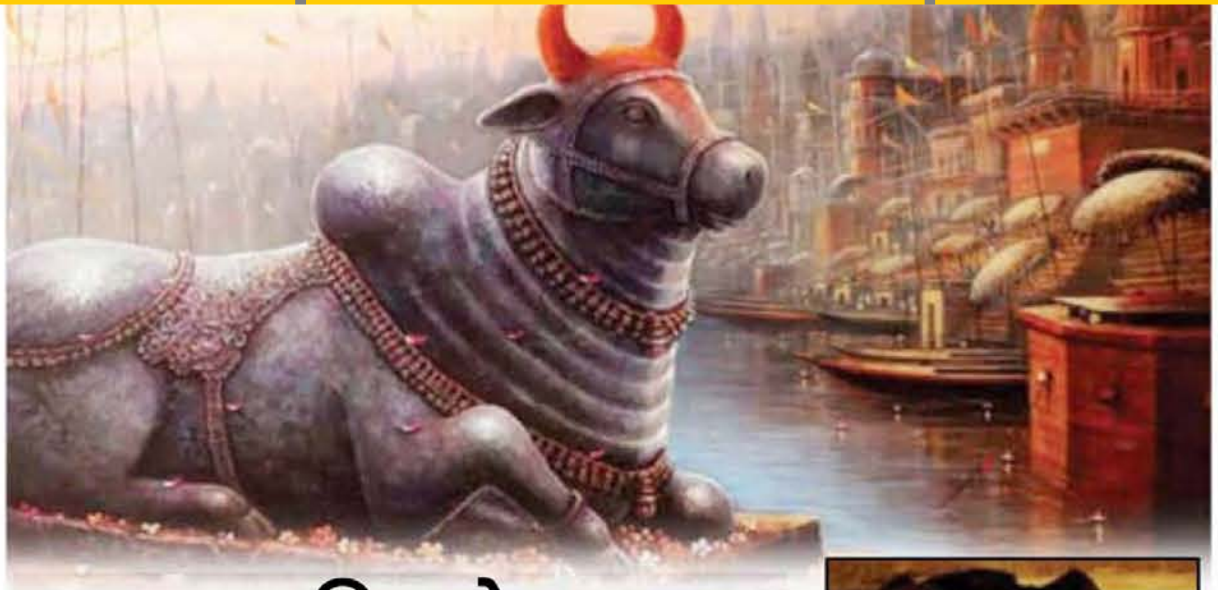

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित
शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

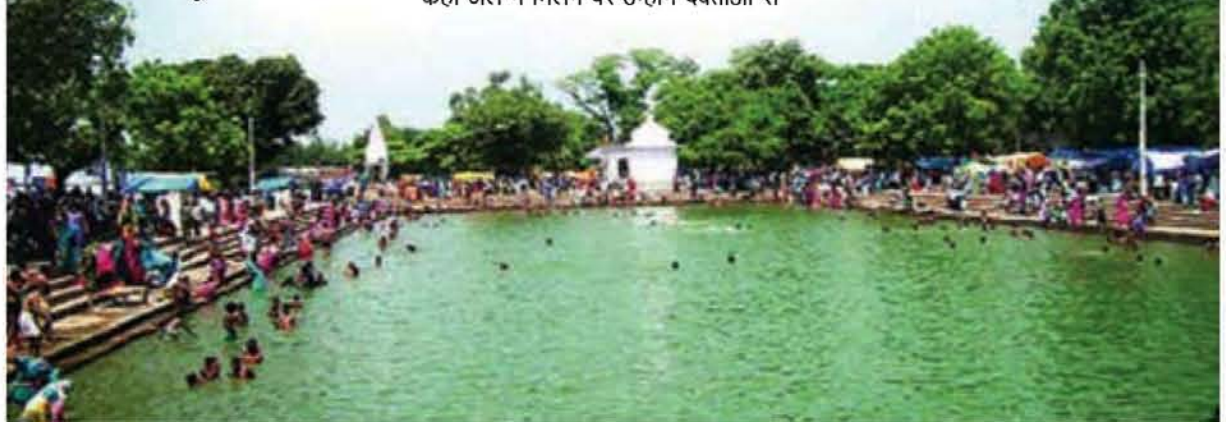

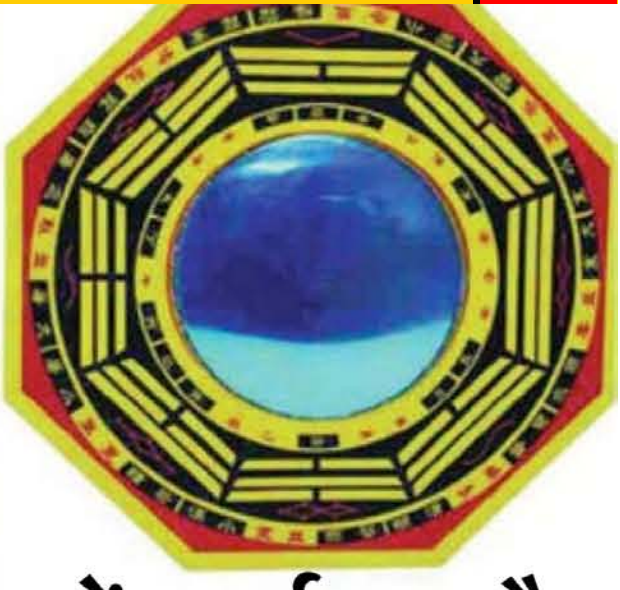

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

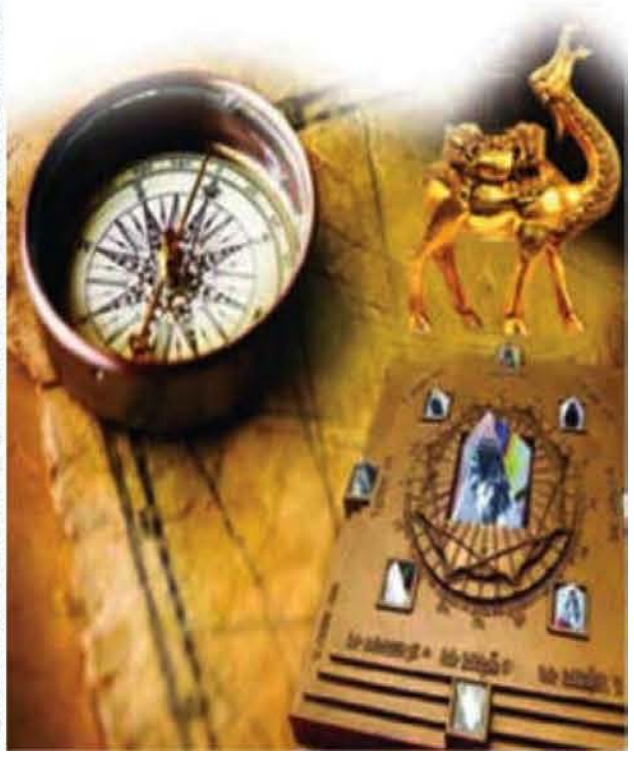

रानी मुखर्जी-विक्रांत की झोली में गिर सकता है नेशनल फिल्म अवॉर्ड

कोविड महामारी के चलते नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में देरी हो रही है। साल 2024 में 2022 में रिलीज होने वाली फिल्मों को पुरस्कार दिए गए थे। अब इस साल उन फिल्मों को पुरस्कृत किया जाएगा, जो वर्ष 2023 में रिलीज हुईं। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कब होगी, यह अभी तय नहीं है। मगर, रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि इस बार रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के दावेदार हो सकते हैं।

इन फिल्मों के लिए जीत सकते हैं नेशनल अवॉर्ड

एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले 48 घंटों में 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो सकती है। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बार रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी पुरस्कार जीतने के प्रबल दावेदार हैं। यह पुरस्कार रानी को मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए और विक्रांत को 12वीं फेल के लिए मिल सकता है।

दोनों के लिए होगी बड़ी उपलब्धि

विक्रांत मैसी ने 12वीं फेल में और रानी मुखर्जी ने फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में शानदार काम किया है। इन फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें पहले ही कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं। अब अगर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी उनकी झोली में गिरता है तो यह वाकई एक बड़ी उपलब्धि होगी।

आधिकारिक एलान का इंतजार

रानी मुखर्जी करीब 25 साल से अधिक वक्त से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने ब्लैक, नो वन किल्ड जेसिका, मर्दानी, हिचकी जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। मगर, अब तक उन्हें कोई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार नहीं मिला है। अगर उन्हें अब मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, तो यह वाकई उनकी हकदार हैं। 12वीं फेल में विक्रांत ने अपने अभिनय से सबको चौंका दिया। अगर उन्हें इस फिल्म के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिलता है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी।

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

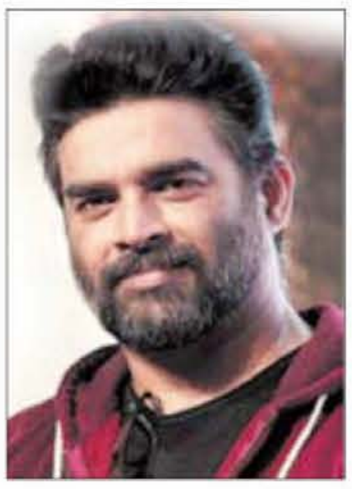

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म आप जैसा कोई के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें सबसे अच्छा इंसान भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटीज मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार! फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के सांबर मसाला रेसिपी और हर सुबह दी जाने वाली परफेक्ट फिल्टर कॉफी के लिए भी आभार जताती नजर आईं। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा। आप जैसा कोई रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आप जैसा कोई के अलावा फातिमा, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में नजर आईं। 4 जुलाई को रिलीज हुई मेट्रो... इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन ए मेट्रो की सीक्वल है।

नोरा फतेही और रेवैन्नी फिर एक साथ आएंगे नज़र

स्नेक से दुनिया भर में धूम मचाने के बाद, नोरा फतेही और रेवैन्री की क्रॉस-कल्चरल जोड़ी धमाकेदार ट्रैक तेतेमा के साथ फिर से वापस आ रहे है। जेसन डेरुलो के साथ स्नेक की ज़बरदस्त ग्लोबल सफलता के बाद, जिसे अब तक 130 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, नोरा फतेही अब एक और बड़ा इंटरनेशनल धमाका करने जा रही हैं। वह टैलेंटेड अफ्रीकी कलाकार रेवैन्री के साथ तेतेमा में फिर से नजर आएंगी – जो कि एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल फ्यूजन ट्रैक है। यह गाना अफ्रो-बोंगो एनर्जी को बहुभाषीय और क्रॉस-कल्चरल ट्विस्ट के साथ पेश करता है। सूत्रों के अनुसार इस नए रीक्रिएशन का नाम ओ मामा तेतेमा से आ सकता है, जो रेवैन्री और डायमंड प्लैटनम्ज़ के ओरिजिनल हिट तेतेमा पर आधारित होगा। इस बार नोरा न सिर्फ़ गाने की विज़ुअल हाइलाइट होंगी, बल्कि एक गायिका के रूप में भी नजर आएंगी – जहाँ वह अंग्रेज़ी, स्वाहिली और हिंदी के अनोखे मेल से अपने सिग्नेचर स्वैग और स्पाइस को पेश करेंगी। 2019 की उनकी वायरल इंटरनेशनल हिट ट्रैक पेपेटा के बाद, यह नोरा और रेवैन्री के साथ एक और बड़ी जोड़ी की वापसी है।

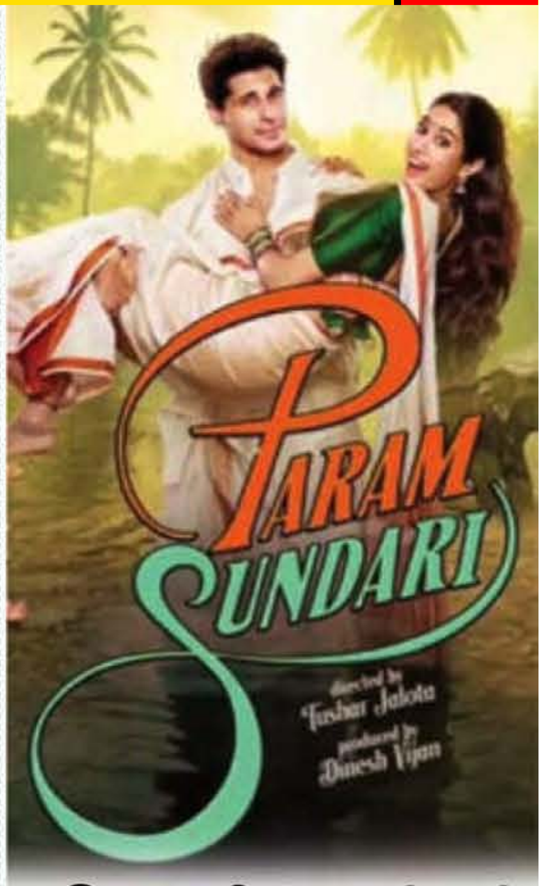

सिद्धार्थ-जाह्नवी की परम सुंदरी की नई रिलीज डेट का ऐलान

दिनेश विजान के मैडॉक तले बनी फिल्म परम सुंदरी की नई रिलीज डेट अब सामने आ गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के मेकर्स की तरफ से इस बात की ऑफिशियल जानकारी दी गई है। इससे पहले फिल्म 25 जुलाई को रिलीज की जानी थी। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ और जाह्नवी नजर आ रहे हैं।

फिल्म का गाना परदेसिया हुआ रिलीज

मेकर्स की तरफ से फिल्म का गाना परदेसिया भी रिलीज हो चुका है। इस गाने में सिद्धार्थ और जाह्नवी के बीच जबरदस्त कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों किरदार प्यार में डूबे हुए हैं और एक दूसरे से अपने प्यार का इजहार करते हुए नजर आ रहे हैं।

परम सुंदरी की स्टार कास्ट

इन दिनों बॉलीवुड में लवस्टोरी पर बेस्ड फिल्मों का बोलबाला देखने को मिल रहा है। जब से अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा रिलीज हुई है, तभी से ऐसा लग रहा है मानो सिनेमा में प्रेमकहानी पर बनी फिल्मों को नया जीवन मिल गया है। इसी कड़ी में पहले फिल्म धड़क 2 रिलीज होगी, जिसमें सिद्धार्थ चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। फिर महीने के आखिर तक सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की ये फिल्म रिलीज हो जाएगी। 29 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म परम सुंदरी को रिलीज किया जाएगा।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारी परम का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी परंपराओं और उसूलों की पक्की है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। ये फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर बेस्ड होगी। इस फिल्म को तुषार जलोटा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो इससे पहले 2022 में आई फिल्म दसवी का निर्देशन कर चुके हैं।

फेस सर्जरी के आरोपों पर भूमि पेडनेकर ने तोड़ी चुप्पी

इंडस्ट्री में फिलर्स, बोटोक्स और सर्जरी को लेकर अक्सर बहस होती है। सितारों को इसे लेकर आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भी सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने का आरोप लगाए हैं। हाल ही में सीरीज द रॉयल्स में उनकी उपस्थिति ने आग में घी डालने का काम किया और इंटरनेट यूजर्स ने कथित बोटोक्स और फिलर्स के लिए भूमि को ट्रोल किया। हाल ही में अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

लोगों की पसंद पर राय देने वाली मैं कोई नहीं होती

पिछले कई वर्षों से ऐसी अटकलें लगती रही हैं कि भूमि पेडनेकर ने सर्जरी कराई है। हालांकि, खुद भूमि ने ऐसी अटकलों पर हमेशा इनकार ही किया है। अब हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में बात करते भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां लोगों को अपनी पसंद खुद चुननी चाहिए। मैं कोई नहीं होती, जो लोगों की पसंद पर अपनी कोई राय बना सकूं।
भूमि ने बोटोक्स और सर्जरी को लेकर आगे कहा, मुझे यह भी लगता है कि इस पर बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है। अभिनेत्री ने आगे अपनी डाइट पर चर्चा की। भूमि ने बताया कि देसी घी उनके नियमित खाने में शामिल होता है। एक्ट्रेस ने कहा, लोग इससे बहुत डरते हैं, लेकिन मेरे खाने में एक चीज जरूर शामिल है और वह है वसा। मैं अपने खाने में घी बहुत ज्यादा लेती हूं। बस फर्क इतना है कि मैं घी में खाना नहीं बनाती। मैं इसे खाने के ऊपर डालकर खाती हूं। इसे अपनी रोटी पर या इडली में डालकर खाएं, यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।

सलाकार की कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है। निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

पहचान बनाने के बाद भी लोग काम नहीं, शादी की बात करते हैं....

बॉलीवुड में अपनी फिल्मी पारी शुरू करने वाली श्रुति हासन साउथ की सबसे ज्यादा फीस पाने वाली हीरोइनों में गिनी जाती हैं। अपने सुपरस्टार पिता की छाया से निकलने में श्रुति को वक्त तो लगा, हालांकि, उन्होंने अपनी जमीन पुख्ता कर ली। इन दिनों वह रजनीकांत स्टारर कुली के कारण चर्चा में हैं। बातचीत में उन्होंने महिला मुद्दों, शादी, पिता कमल हासन, माता-पिता के अलगाव जैसे कई मुद्दों पर दो टूक बात की।

आप फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने वाली एक मजबूत आत्मनिर्भर लड़की हैं, आपको लड़कियों को लेकर सबसे ज्यादा क्या बात परेशान करती है?

श्रुति हासन- लड़कियों को लेकर किया जाने वाला डबल स्टैंडर्ड मुझे बहुत परेशान करता है। मर्द अगर कोई चीज करें, तो उन्हें शाबाशी मिलती है, मगर लड़कियां करें, तो उन पर उंगली उठाई जाती है। अगर एक मर्द असर्टिव होता है, तो उसे दृढ़ इच्छाशक्ति वाला कहा जाता है, मगर यदि कोई लड़की इस तरह से अपनी बात रखे, तो उसे घमंडी कहा जाता है और बोला जाता है कि उसे लड़कियों की तरह बात करनी चाहिए। मुझे बहुत आपत्ति होती है, जब लड़कियों को आसानी से जज किया जाता है। बराबरी का दर्जा नहीं मिलता।

आज काफी चीजें बदल गई हैं, मगर क्या आपको लगता है कि एक्ट्रेस होने के नाते रोल्स हों या पे पैरिटी, असमानता घटी है?

बीते सालों में ये भेदभाव कम हुआ है, मगर अभी भी उतना नहीं घटा, जितनी हमने अपेक्षा की थी। आज सोशल मीडिया पर भी बहुत कुछ होता है। मैं कमेंट्स पढ़ती रहती हूं, अरे कितने दिन काम करोगी, शादी कर लो। एक हीरोइन को लेकर इस तरह के कमेंट्स सुनने को मिलते हैं, मगर हीरो को कोई ये नहीं कहता। प्रभास और सलमान खान को ये बात कोई नहीं कहता कि बहुत हुआ काम अब शादी कर लो। तो अब भी ये फीमेल-मेल पर्सपेटिव है। मैं मानती हूं कि पे पैरिटी घटी है, अभिनेत्रियों को दमदार भूमिकाएं मिल रही हैं, मगर यदि इस मानसिकता में बदलाव नहीं आता, तो क्या फायदा?

तो क्या आप भी शादी करने का दबाव महसूस करती हैं?

बिल्कुल। मुझे जब लगातार इंटरव्यू में पूछा जाने लगा कि मैं शादी कब करूंगी, तो मैंने कह दिया कि मैं शादी में बिलीव नहीं करती। मुझे लगा था, मैंने एक बार इस मुद्दे पर कहा, तो वो छोड़ देंगे, मगर हर बार घूम फिरकर मेरी शादी पर बात आ जाती है। मैंने इतना काम किया है। खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं तरह -तरह की चीजें करती हूं, मगर मुझे एक ही नजरिए से देखा जाता है और ये सिर्फ मेरी अपनी बात नहीं है, ये हम सभी लड़कियों के साथ है।

अतीत में पलटकर देखने पर आपको ऐसा लगता है कि आपके माता-पिता (सारिका-कमल हासन) के बीच अगर अलगाव न हुआ होता, तो आपके जीवन में चीजें कुछ अलग होती?

निश्चित रूप से सोचती हूं, क्योंकि मैं थेरेपी के क्षेत्र में भी काम करती हूं। मैं साइकोलॉजी में भी रुचि रखती हूं। मैं बिल्कुल सोचती हूं कि वो साथ रहते, तो कुछ अलग हो सकता था। मगर फिर ये चीजें हमारे हाथ में नहीं हैं। मेरा कहना यही है कि उस बात को हम बदल नहीं सकते। मुझे विक्टम मेंटेलिटी जरा भी पसंद नहीं है। मैं मानती हूं कि हर किसी की कहानी में एक हादसा होता है। हर किसी के पास एक दुखभरी कहानी होती है। पर मैं उस अगर या मगर में यकीन नहीं करती। जो हुआ, सो हुआ, अब मैं उसे कैसे हैंडल करूं, मेरा फोकस उस पर होता है।

आप भी एक लंबा करियर जी चुकी हैं, आपको कब लगा कि आप कमल हसन जैसे बड़े मेगा स्टार की छाया से निकल चुकी हैं?

आज ही क्यों, मुझे तो शुरू से ही लगता है कि मैंने अपनी अलग चीजें करने की कोशिश की है। मैं हमेशा मानती हूं कि हासन सरनेम के कारण मेरे लिए दरवाजे खुले। मगर ये भी सच है कि मेरे माता-पिता (कमल हासन और सारिका) ने फोन उठाकर मेरे करियर के लिए कभी फेवर नहीं मांगा। मैं जब से काम कर रही हूं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं, तो जब आपको खुद के बिल भरने पड़ें, मीटिंग्जस लेनी पड़ें, तब वो छाया खुद-ब-खुद घटने लगती है। आज भी जब पत्रकार इंटरव्यू में पापा की बातें करते हैं, तो लगता है कि वो शेडो नहीं घटा है, पर आज मैं उसे छाया नहीं एक रोशनी की तरह देखती हूं।

आपने अब तक साउथ के विजय, प्रभास, पवन कल्याण जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, मगर कुली में रजनीकांत जैसे सुपरस्टार संग काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे पहले तो मैं आपको बता दूं कि रजनी सर (रजनीकांत) मेरे पापा (कमल हासन) के कंटेम्परिरी हैं, तो वो कनेक्शन था, जो सेट पर काफी काम आया। उनसे सीखने को काफी मिला। वह सेट पर एक कमाल का माहौल बनाए रखते हैं। वह सेट पर एक सकारात्मक माहौल लेकर आते हैं। वह अपनी एनर्जी से सब कुछ बदल देते हैं। इसमें मेरा प्रीति का किरदार भी ऐसा है, जिससे महिलाएं खुद को जोड़ पाएंगी।

नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने कई स्थानों पर किया जनसंपर्क

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने रविवार को ग्रैंड अजनारा हेरिटेज सेक्टर-74, आम्रपाली सिलिकॉन सिटी सेक्टर-76, आम्रपाली प्रिंसली इस्टेट सेक्टर-76, सेठी मैक्स रोयल सेक्टर-76, क्लियो काउंटी सेक्टर-121, अजनारा होम्स सेक्टर-121, प्रतीक लोरेल सेक्टर-120 एवं गौर ग्रैन्डयोर सेक्टर-119 में जन संवाद कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्रवासियों की विभिन्न समस्याओं को सुना और साथ ही मौक़े पर मौजूद प्राधिकरण के कर्मचारियों को त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

समस्याओं में मुख्यतय फ़्लैटों की रजिस्ट्री,पेयजल संकट, सड़क की मरम्मत, ट्रेफ़िक जाम, स्पीड ब्रेकर आवारा पशुओं और कुत्तों की समस्या और अतिक्रमण रहा जिसको वहां के स्थानीय निवासियों ने विधायक के समक्ष प्रस्तुत किया। विधायक ने कहा कि आप सभी की बात सुनना व उनकी समस्याओं का समाधान करना हमेशा से प्राथमिकता रही है। उन्होंने वहां मौजूद सभी समस्याओं से संबंधित विभागों को निर्देश भी दिया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

झुग्गीवासियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे: डॉ. महेश शर्मा

प्राधिकरण से पीड़ित झुग्गीवासी पहुंचे सांसद व विधायक की चौखट पर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की लापरवाही से पीड़ित झुग्गीवासी सांसद डॉक्टर महेश शर्मा तथा नोएडा के विधायक पंकज सिंह की चौखट पर पहुंचे तथा उन्हें ज्ञापन सौंपा।

नोएडा झुग्गी झोपड़ी उत्थान समिति संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष उदय सिंह के नेतृत्व में की झुग्गीवासी सांसद डॉक्टर महेश शर्मा के पास पहुंचे तथा उन्हें ज्ञापन दिया। विज्ञापन में मांग की गई कि नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर 122 में रह रहे सैकड़ो लोगों को फ्लैटों का आबंटन निरस्तीकरण का नोटिस दियाहै वही सेक्टर 122 के फ्लैटों की हालत भी जर्जर हो रहीं है।नोएडा प्राधिकरण उनकी कोई मरम्मत नहीं कर रहा है जिसके कारण झुग्गी वासियों का वहां रहना मुश्किल हो रहा है ।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो 12 अगस्त को प्राधिकरण पर ऐतिहासिक धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

डॉ महेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि वह तीन दिनों के भीतर मुख्यमंत्री तथा नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखेंगे तथा वार्ता करके उनकी समस्या का समाधान करने का पूरा प्रयास करेंगे।

इसके बाद उदय सिंह के नेतृत्व में नोएडा के विधायक पंकज सिंह के कार्यालय पहुंचे तथा पंकज सिंह के न रहने पर उन्होंने फोन से वार्ता की तथा वह मौजूद उनके प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर आई बी सिंह,शैलेंद्र, राजू राणा, सुमन, सूरज सिंह, अखिलेश यादव, ममता, ज्ञानी देवी, अनिल कुमार, संजीत कुमार, एम दीक्षित सहित दर्जनों झुग्गीवासी मौजूद थे।

सशक्त संगठन के लिए कमर कस लें : मुकेश यादव

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में जारी संगठन सृजन अभियान के तहत महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के संगठन सृजन अभियान की समीक्षा बैठक आज सैक्टर 52 स्थित पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई।

महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वर्तमान सरकार की किसान विरोधी, नौजवान विरोधी और संविधान संविधान विरोधी रीति-नीति का विरोध संसद समेत तमाम मंचों पर कर रहे हैं। इसी प्रकार वास्तव में जो समस्याएं हमारे जनपद में हैं जिनकी मूल जड़ उत्तर प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार है इसका पुरज़ोर विरोध हम कार्यकर्ताओं को मजबूती से करना है।जब तक सशक्त संगठन नहीं होगा,जब तक नए लोगों का जुड़ाव कांग्रेस पार्टी से नहीं होगा,जब तक अपने मिशन से हम बूथ तक के व्यक्ति को नहीं जोड़ेंगे तब तक संगठन सृजन और सड़क से लेकर के विधानसभा तक सरकार की जन विरोधी नीतियां और उनका विरोध मजबूती से नहीं किया जा सकता है। इसलिए ब्लॉक मंडल और बूथ की कमेटियाँ हमें जल्दी से जल्दी तैयार करके मैदान में उतरना होगा।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों में अध्यक्ष मुकेश यादव, लियाकत चौधरी, फिरे सिंह नागर, राजकुमार भारती, संजय तनेजा, यतेंद्र शर्मा, ललित अवाना, मधुराज, डॉ सीमा, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, राहुल पांडेय, रामकुमार शर्मा, कैप्टन पी एस रावत, चांद मोहम्मद सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेड़ा देवत पूजन यज्ञ हवन एवं भंडारे का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर गांव में हर वर्ष की भांति खेड़ा देवत पूजन यज्ञ

हवन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। आचार्य प्रमोद शास्त्री एवं राजेश मिश्रा द्वारा खेड़ा देवत पूजा, गौरी गणेश लक्ष्मी की पूजा ग्राम वासियों एवं क्षेत्र वासियों के लिए रोग दोष निवारण हेतु शांति पाठ और हवन किया गया।

आयोजन के जजमान एवं भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष अशोक भाटी ने बताया कि गांव मे सुख शांति बनी रहे और गांव मे सभी लोग धन-धान्य से परिपूर्ण रहे इसीलिए खेड़ा देवत की पूजा यज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए। वर्षों से चली आ रही है इस परंपरा का हम भी निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने बताया प्रातः खेड़ा देवत पूजन हवन कन्या पूजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ।भंडारा प्रातः से साय कालीन तक चला जिसमें ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रीय लोगों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सुखबीर प्रधान, रिकी प्रधान, सुभाष नेताजी, सिंहराज गुर्जर, जयचंद शर्मा, विजेंद्र भड़ाना, कृपाल भगत, हरिकिशन भगत, राजवीर मास्टर, शोभाराम भाटी, विपिन प्रधान, सचिन अवाना, अजय गुर्जर, पार्थ गुर्जर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ब्राह्मण महासभा ने डीएम को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने तहसील दिवस में जिलाधिकारी मेधा रूपम का गुलदस्ता व शॉल भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीएम दादरी अनुज नेहरा को भी शॉल भेंट किया गया।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं के निस्तारण में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगी। जनता की समस्याओं के निवारण के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगी।

इस अवसर पर एडवोकेट विश्वास, ओमप्रकाश गांधी, रतनवीर शर्मा, अनिल शर्मा, पूर्व प्रधान राजवीर सिंह, पूर्व उप प्रधान गुरबचन सिंह, एडवोकेट हीरे कंवर, कालू, सुनील शर्मा आदि मौजूद थे।

सेक्टर-46 में ब्रह्माकुमारीज़ ने मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-46 में ब्रह्मा कुमारीज़ केंद्र ने रक्षाबंधन का त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया। यह कार्यक्रम सेक्टर-46 के सामुदायिक केंद्र में हुआ, जिसमें शहर के कई खास लोग शामिल हुए। सेक्टर-45, 46, 47, 48, 51, 15 और आस-पास के इलाकों से 275 से ज़्यादा लोग इस कार्यक्रम में पहुंचे।

कार्यक्रम के मुख्य मेहमान सेक्टर-33, जिला अस्पताल, नोएडा के मुख्य डॉक्टर अजय राणा थे। इनके अलावा, मॉडल एजुकेशन सेंटर की प्रिंसिपल श्रीमती जयंती मित्रा, पीजी डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल राजीव गुप्ता, आयकर के रिटायर्ड मुख्य आयुक्त डॉ. अमरवीर सिंह, कस्टम और उत्पाद शुल्क के रिटायर्ड मुख्य आयुक्त अनंत राम, शिवालिक अस्पताल की प्रमुख डॉ. अदिति गुप्ता और मेजर जनरल (रिटायर्ड) विनोद छिब्बर एवीएसएम (सेना के अनुभवी) जैसे कई और बड़े लोग भी मौजूद थे।

ब्रह्मा कुमारीज़ की ओर से बी.के. ईशू, बी.के. रितु, बी.के. रेनू, बी.के. वर्णिका और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के. कीर्ति ने लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मॉडल एजुकेशन सेंटर के खास बच्चों ने भगवान गणेश की प्रार्थना से की ।बी.के. ईशू ने 'कर्म कैसे करें' विषय पर बातचीत की। उन्होंने समझाया कि हमारे काम की गुणवत्ता हमारे मन की शांति पर निर्भर करती है।

फेलिक्स हॉस्पिटल्स के मैनिफेस्ट योर वे टू सक्सेस वर्कशॉप

आज के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझना बेहद जरूरी : पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली एनसीआर में पहली बार सेक्टर-91

स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज में रविवार 3 अगस्त को फेलिक्स हॉस्पिटल्स की ओर से मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के प्रसार के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेष आध्यात्मिक वर्कशॉप 'मैनिफेस्ट योर वे टू सक्सेस' का आयोजन किया गया।

नोएडा विधायक और उत्तर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और प्रतिभागियों को अपने विचारों को सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फेलिक्स हॉस्पिटल्स की इस पहल को बेहद सराहा। पंकज सिंह का मानना है कि इस तरह की वर्कशॉप से न सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि जीवन में नई सोच और दृष्टिकोण भी विकसित होता है।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि आज के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। उन्होने बताया कि आधुनिक जीवन की चुनौतियों के बीच भी प्राचीन ध्यान, साधना और सकारात्मक सोच के माध्यम से न सिर्फ मन की शांति पाई जा सकती है, बल्कि आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर जीवन की ओर भी बढ़ा जा सकता है।

कार्यक्रम का संचालन और मुख्य मेंटरिंग पिरामिड वैली इंटरनेशनल के चेयरमैन एवं प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्रेयांस डागा ने किया। जिन्होंने प्रतिभागियों को ध्यान, साधना और ब्रीदवर्क के माध्यम से आत्मशक्ति को पहचानने और जीवन में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाने के प्रैक्टिकली उपाय बताए। फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि आज की भागदौड़ और दबाव भरी जिंदगी में मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत रखना सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है।